



आरत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1
प्राप्तिकार ते प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 142]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जूलाई 28, 1989/ थावण 6, 1911

No. 142]

NEW DELHI, FRIDAY, JULY 28, 1989/SRAVANA 6, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है किससे इक यह संग्रह संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय
आयात व्यापार नियंत्रण
सार्वजनिक सूचना सं. 150 आई टी सी (पी एन) 88-91

नई दिल्ली, 28 जूलाई, 1989

विषय — जापान की विदेशी आर्थिक महायोग निधि (ओ. ई. सी. एफ.) द्वारा प्रदान किए गए 11.414 विलियन येन, येन कोडिट ब्रून में आई डी पी-53 के अन्तर्गत महाराष्ट्र भरकार की घाटधर पम्पड स्टोरेज परियोजना (मिकाई विभाग) के कार्यव्यवस्था के लिए उपस्करण एवं भेदभावों के आयत के संबंध में लाइसेंसिंग शर्तें।

(काहल में आई टी सी/23)(53)/88-91 — जापान की विदेशी आर्थिक महायोग निधि (ओ. ई. सी. एफ.) द्वारा प्रदान किए गए 11.414 विलियन येन, येन कोडिट ब्रून में आई डी पी-53 के अन्तर्गत महाराष्ट्र भरकार की घाटधर पम्पड स्टोरेज परियोजना (2×125 एम उड्डय) (सियाई विभाग) वे कार्यव्यवस्था के लिए उपस्करण एवं सेव ओं के आयत को शक्ति करने वाली शर्तें जो इस सार्वजनिक सूचना के परिणाम में ही गई है, सूचना के लिए आधिकृतिक दो गती हैं।

तेजेन्द्र बन्ना, मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रण

वाणिज्य मंत्रालय की भावेन्त्रिक सूचना सं. 150 आई टी सी (पी एन) 88-91, विनाम 29-7-1989 का परिणाम

जापान की विदेशी आर्थिक महायोग निधि (ओ. ई. सी. एफ.) द्वारा प्रदान की फिये गए 11.414 विलियन येन, येन कोडिट ब्रून में आई डी पी-53 के अन्तर्गत महाराष्ट्र सरकार की घाटधर पम्पड स्टोरेज परियोजना (दिव्यांशु विभाग) के कार्यव्यवस्था के लिये उपस्करण और भेदभावों के आयात के संबंध में लाइसेंसिंग शर्तें।

खण्ड — 1 वामान्य शर्तें

1 (1) महाराष्ट्र सरकार की घाटधर पम्पड स्टोरेज परियोजना (मिकाई विभाग) की आयत आवधानकता को विलोपित करने के लिए जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ. ई. सी. एफ.) द्वारा प्रदान किए गए 11.414 विलियन येन का भूगतान और विकासशील देशों, जिनमें जापान भी सम्मिलित है, के लिए खुला है। नदनुमार इस कोडिट के प्रधीन प्रधिकारित मही की जाने वाली बस्तु और सेपाए जायात और अनुबन्ध-1 की मुख्य में उपर्युक्त सभी देशों से जायात की जा यकीनी है ये देश इस ब्रून के अन्तर्गत सात देश होंगे।

(2) कोडिट के अधीन केवल उम्ही मर्दों और नगे मूल्य के लिए लाइसेंस जारी किए जा सकते हैं जिनके लिए भी जी टी डी बी/ट्रॉजीयन माल समिति द्वारा विशेष रूप से निकासी कर दी गई हो। इस कोडिट के अधीन जारी किए गए आयात लाइसेंस (मो) का मूल्य 12,555 विनियन येन (आयात बीमा-भाड़ा) से प्रधिक नहीं होना चाहिए।

आयात लाइसेंस का रपये में मूल्य, रजस्ट्र विमाग (मोम पार्क) द्वारा प्रधिकृत विनियन दर और आयात लाइसेंस जारी करने की तिथि को प्रचलित दर और मुख्य नियंत्रक, आयातनियति, द्वारा जारी की गई सर्वजनिक सूचना सं. 78-आई टी सी (पी एन)/74, दिनांक 6 जून, 1974 के पैरा ~2 के प्रनुभार आयात लाइसेंस में संकेतिक दर पर नियांपिस किया जाएगा, जिनमें यह उल्लेख भी कि सीम गुरुक प्राविक री और विशेषी मुद्रा के प्राविकृत रूप परी आयात लाइसेंस (सो) में विनियिद्ध मूल्य के भूत्रा विनियन दर पर लाइसेंस मूल्य के नामे छ होगा। लाइसेंस पर एक शोर्पे कि “जाप नो गेन क्रण आई भी पी – 53 होगी”। प्रथम और द्वितीय प्रश्य के लिए ना इसें से “एस/जी नी” कोड होगा। पश्चिमी बंगाल राज्य विजनी बोर्ड को आयात लाइसेंस में ज्ञाने समय मुख्य नियंत्रक, आयातनियति के पत्र में भी हो सहृदार्या जाएगा। जिसकी एक प्रति वित्त मंत्रालय प्राधिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को पृष्ठान्कित की जानी चाहिए।

(3) आयात लाइसेंस लागत बीमा भाड़ा के आधार पर केवल महाराष्ट्र के नियाई विभाग के नाम में जारी किया जा सकता है।

(4) आयातक की सुविधा पर नियमर करने हुए एक से प्रधिक आयात लाइसेंस कोडिट के अधीन जारी किए जा सकते हैं। ऐसिन युल मूल्य येन 12,555 विनियन (लागत बीमा भाड़ा) येन से प्रधिक नहीं होना चाहिए। जैसा कि उपर पैरा 1(2) में कहा गया है।

(5) आयात लाइसेंस की विधत में वृद्धि आयातक द्वारा आवेदन करने पर 12 महीनों की ओर आगे की प्रवधि के लिए की जा सकती है। जैसिन युल मूल्य येन 12,555 विनियन (लागत बीमा भाड़ा) येन से प्रधिक नहीं होना चाहिए।

(6) कोडिट के अधीन वित्तपोषित किए जाने वाले आयात लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा विधित मत्य पित संलग्न माल और सेवाओं की सूची तक प्रतिबंधित है।

(7) विशेषी मुद्रा के किसी भी परेण्य की अनुमति आयात लाइसेंस के प्रति नहीं दी जाएगी। भारतीय प्रधिकर्ता के कमीशन के प्रति कोई भी भूत्तान भारतीय प्रधिकर्ता को भारतीय रपये में किया जाना चाहिए। सेकिन ऐसे भूत्तान लाइसेंस मूल्य के ही भाग होंगे और लाइसेंस पर ही प्रधानित किए जाएंगे।

(8) पक्के आदेश अनुबंध-1 में उल्लिखित देशों में स्थित विदेशी संभवकों को जहज पर निषुभूत/नागत और भाड़ा आधार पर विए जाने चाहिए और वे आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि से 4 महीनों की प्रवधि के भीतर प्राधिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को भेज दिए जाने चाहिए। बीमा प्रभार का भूत्तान भारतीय रपये में भारत में वैद्य होगा। पक्के आदेशों का व्यर्थ विदेशी संभवकों को भारतीय लाइसेंसार्ते द्वारा दिए गए ज्ञान आदेशों से हैं जो विदेशी में एक द्वारा विधित वृत्ताकारिता रूप संविद एं हैं/विदेशी संभवकों द्वारा भारतीय प्रविहरणार्तों को दिए गए आदेश ऐसे भारतीय अधिकार्ताओं द्वारा पुष्टिकरण आदेश स्वीकार्य नहीं हैं।

(9) चार महीनों की प्रवधि के भीतर डेकों की इस भर्ते का तब तक अनुपालन किया गया नहीं समझा जाएगा जब तक कि डेकों के पूर्ण वस्तु वैज्ञ आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि से चार महीनों के भीतर वित्त मंत्रालय प्राधिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को नहीं पहुंच जाते हैं। परिए उपर्युक्त पैरा 1(8) में यथा उल्लिखित पक्के आदेश वैध कारणों से चार महीनों के भीतर नहीं किए जा सकते हैं। जो

चार महीनों के भीतर आदेश क्यों नहीं दिया जा सकते इन कारणों का उल्लेख करने हुए यह लाइसेंसवारी को आयात लाइसेंस को संबद्ध लाइसेंस प्राधिकारी को प्रस्तुत कर देना चाहिए। लाइसेंस देने की अवधि में वृद्धि के लिए ऐसे आवेदनों पर लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा प्राप्तना के आधार पर विचार किया जाएगा। वे प्रधिक में प्रधिक चार महीनों की ओर अवधि के लिए वृद्धि प्रदान कर सकते हैं। ऐसिन यदि वृद्धि द्वारा लाइसेंस के भारी होने की तिथि से 8 महीनों से प्रधिक के लिए मारी जाती है तो ऐसे प्रस्ताव निरपेक्ष रूप से लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा वित्त मंत्रालय प्राधिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) नामे द्वारा नहीं दिल्ली को नेत्र बाएं जो कि ऐसी वृद्धि के लिए प्रत्येक मानसे की प्रत्याना के आधार पर विचार करने और मना निर्णय लाइसेंस प्राधिकारियों को देते हैं। जिसको ये लाइसेंसवारी ही प्रेपिन करते हैं। लाइसेंसवारी द्वारा लाइसेंस प्राधिकारियों से केवल ऐसी वृद्धि प्रदान करने वाला एक पन प्रस्तुत करने पर ही प्राविकृत व्यापारी और वित्तार्थी प्रधिकारी आयात लाइसेंस के अधीन किए गए संभव टेको से बैंक गारंटी साथ पत्र स्थापित करने के लिए प्राविकृत पत्र के तत्त्व प्रयोग प्रभारी नामे प्रधिक की स्वीकृति की सुविधियों की अनुमति देते हैं।

(10) आयात लाइसेंस की समाप्ति से चार महीने के भीतर सभी भूत्तान प्रधान वूर्ण कर देने चाहिए। माल के पोतलदान पर अलग भूत्तान सभी वैज्ञ व्यवस्था हीनी चाहिए डेको में मकद्र आधार पर प्रथमत पोतलदान वस्तु वैज्ञों के प्रस्तुत करने पर भूत्तान की व्यवस्था हीनी चाहिए। विवेशी संभवक से भारतीय आयातक की किसी भी किसी की वैज्ञ सुविधा उपलब्ध करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। माल के विवरण की प्रवधि के लिए डेको में निम्नलिखित व्यवस्था हीनी चाहिए।

“साथपत की प्राप्ति के बाद ---
महीने पर्त्तु प्रधिक से प्रधिक ---
के अंत तक पूर्ण किया जाना है।”

पोतलदान के लिए आविरी तिथि निर्धारित करने में इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि यह तिथि 30/12/1992 के बाद की न हो।

खण्ड—1 संभवक डेको का समझौता करने समय ध्यान में रखी जाने वाली विशेष घाने।

(1) डेको का जहाज पर्यात नि : शुल्क लागत और भाड़ा मूल्य येन में (येन) की मित्र के बिना, प्रधिकृत होना चाहिए और इसमें भारतीय अधिकारी का कमीशन यदि कोई हो वह शामिन नहीं होना चाहिए जो कि भारतीय रूपये में चुकाना चाहिए।

डेको का मूल्य किसी भी परिस्थिति में भारतीय रूपये यह किसी अन्य मुद्रा में प्रधिकृत नहीं होना चाहिए। क्या आदेश और संभवक द्वारा पुष्टिकरण आवेदन केवल अवैज्ञों में होना चाहिए।

(2) वैज्ञ की रकम में वित्त पोतित किए जाने वाले सभी माल और सेवाएं वैज्ञ के अंतर्गत प्रधिकृति के लिए भारी रूपये विवेशी संभवक शर्तों के साथ किए जाएंगे।

(क) कम से कम 500 मिलियन येन के प्रनुभानित मूल्य के माल और सेवाओं ज्ञातों को प्रधिकृति के मानमें :-

(1) यदि पूर्वप्रत्यार्थी सहित आवेदनिक खुली अन्तर्राष्ट्रीय निविदा से मिश्र प्रधिकृति क्रियाविधि प्रयोगने का प्रस्ताव हैं तो प्रधिकृति की पद्धति के प्रनुभोदन के लिए श्र. ई. सी. एक को आवेदन पत्र प्रस्तुत करने उससे पूर्व अनुभोदन प्राप्त किया जाएगा।

(२) सफल बोलीकार को निर्णय का नोटिस जारी करने से पहले बोली मूल्यांकन रिपोर्ट सहित निर्णय के अनुमोदन के लिए आवेदन पत्र और ई सी एफ को प्रस्तुत किया जाएगा। निर्णय और बोली मूल्यांकन के अनुमोदन के लिए उपर्युक्त आवेदन पत्र के साथ साथ पूर्व अहर्ता को मूल्यांकन रिपोर्ट बोलीकारों को दिए गए नोटिस और अनुदेश बोली प्रपत्र प्रस्तवित ठेका विशिष्टिकरण और डाइग्राफ और बोली में संबंधित अन्य वस्तवेज और ई सी एफ को भी पुनरीक्षा के लिए प्रस्तुत किए जाएंगे।

(ख) 500 भिलियन येन से कम अनुमानित मूल्य के माल और सेवाओं की अधिवार्तिक के मामलों में ठेके के निर्णय के लिए और ई सी एफ के पूर्व अनुमोदन की इस शर्त पर आवश्यकता नहीं है लेकिन यदि जो ई सी एफ अनुरोध करें तो निविदा मूल्यांकन रिपोर्ट आदि उसको पुनरीक्षा के लिए प्रस्तुत की जाएगी।

(ग) परामर्शियों के नियोजन हेतु और ई सी एफ के मार्ग दर्शी सिद्धांतों के अनुसरण में परामर्शियों का नियोजन किया जा सकता है। परन्तु निम्नलिखित प्रनेत्रों के सम्बन्ध में जो ई सी एफ की पूर्व अनुमानित लेनी चाहिए।

(१) विवारणीय विषय

(२) परामर्शियों की संविधान सूची

(३) नियंत्रण पत्र

(४) मूल्यांकन रिपोर्ट जिसमें मूल्यांकन सार शोट मी शामिल हो

(घ) आयातक विवाग उपर्युक्त (क) (१) (क) (८) और (ब) और (ग) में उल्लिखित आवेदन पत्र वस्तवेज आयिक कार्य विवाग को दो प्रतियों से प्रस्तुत करेंगा जो उसके द्वारा और ई सी एफ को मेजे जायेंगे।

(१) (३) विदेशी संभारक को मुग्नतान् उनके नाम में भारतीय बैंक टोकियो द्वारा 1988-89 के लिए और ई सी एफ येन क्रेडिट (परियोजना सहयोग तंत्र में आयी ढी पी -53 के अधीन खोले गए अपरिवर्तनीय साझ-पत्र के माध्यम से किया जाना) चाहिए। जिसका व्यौरा नोचे खण्ड-७ में दिया गया है।

(१) (४) आयात लाईसेंस के प्रति केवल एक ही सविदा की जानी चाहिए। लेकिन कुछ विशेष मामलों में एक से अधिक संविदा करने की अनुमति भी दी जा सकती है। जिसके लिये आयात लाईसेंस जारी होने की तिथि के तुरंत बाद वित्त मंत्रालय आयिक कार्य विवाग (जापान अनुभग) से अनुमोदन प्राप्त कर लेना चाहिए।

(५) संभरक की पात्रता

संभरक पात्र स्रोत देशों के राष्ट्रिक होने या पात्र स्रोत देशों में शामिल किये गये तथा पंजीकृत किये गये पात्र स्रोत देशों के राष्ट्रिक द्वारा शासित वैष्य व्यक्ति होंगे।

(६) अपात्र स्रोत देशों से अनुमेय आधार

जिन दस्तओं में अपात्र स्रोत देशों में बनी हुई सामग्री निहित है उसका वितान किया जा सकता है बशर्ते कि निम्नलिखित सूचे के अनुसार ऐसे उत्पाद प्रति एकक का मूल्य मदवारे आधार पर आयातित भाग का 50 प्रतिशत से कम होः—

आयातित लागत बीमा भाइ मूल्य + आयात शुल्क

संभरक का जहाज पर नि : शुल्क मूल्य

(भारतीय संभरक के मामले में एकस फैट्री मूल्य अपनाया जाएगा

(७) संविदा में घोषणा

प्रत्येक संविदा में संनरक द्वारा माल एवं संभरक को पात्रता और संभरक के हस्ताक्षर और तारीख से निम्नलिखित घोषणा जोड़ी जाएगी।

“मैं अधीक्षित आवेदन पत्र को प्रस्तुत करता हूँ कि रुप. रित किया जाने वाला माल —————— (सबधित पात्र स्रोत देश का नाम) में उत्पादित है।”

“मैं अधीक्षित आवेदन पत्र को प्रस्तुत करता हूँ कि मेरी पूरी जानकारी और विश्वास के अनुसार अपात्र स्रोत देशों से आयातित भाग में निम्नलिखित सूचे के अनुसार 50 प्रतिशत से कम हैः—

आयातित लागत बीमा भाइ मूल्य + प्राप्ति शुल्क × 100%

संभरक का जहाज पर नि : शुल्क मूल्य

(जहां एकस फैट्री मूल्य लागू होता ही)

“मैं अधीक्षित आवेदन पत्र को प्रस्तुत करता हूँ कि —————— (पात्र स्रोत देश का नाम) में —————— (कम्पनी का नाम) समाविष्ट और पंजीकृत हो चुकी है और उनके पास उत्पादन या माल एवं सेवाएं प्रवाने की उचित गुविधाएं (पात्र स्रोत देश का नाम) और वे जहां अपात्र व्यापार करते हैं।

खण्ड-३ संभरण ठेकों में समाविष्ट की जाने वाली शर्तें

(१) संभरण ठेकों में निम्नलिखित प्रावधान विशेष रूप से समाविष्ट होने चाहिए।

(क) ठेके की व्यवस्था भारत सरकार और जापान की विदेशी आयिक सहयोग निधि (ओ. ई. सी. एफ) के बीच धाटवर पम्ड टोरेज परियोजना के लिए येन क्रेडिट सं. आईडी पी-५३ (परियोजना सहयोग से संबंधित 15 दिसम्बर 1988 को हुए क्षण समझौते के अनुसार होनी चाहिए और यह भारत सरकार और विदेशी आयिक सहयोग निधि के अनुमोदन के अधीन होगा।

(ख) संभरकों को मुग्नतान् भारत सरकार और जापानी विदेशी आयिक सहयोग निधि (ओ. ई. सी. एफ) के बीच येन क्रेडिट सं. आईडी पी ५३ से संबंधित 15 दिसम्बर 1988 को हुए क्षण समझौते के अनुसार वैक आफ इंडिया, टोकियो द्वारा जारी किये जाने वाले अपरिवर्तनीय साखपत्र के माध्यम से किये जायेंगे।

(ग) विदेशी संभरक ऐसी भूचना और दस्तावेजों को प्रस्तुत करने के लिए सहमत होना जो एक और भारत सरकार द्वारा और दूसरी और जो ई सी एफ द्वारा येन क्षण के अधीन अपेक्षित हो।

(घ) (६) में उल्लिखित प्रपत्र में प्रमाणपत्र (तीन प्रतियों में)

(इ) यदि किसी भासले में संभरक जापान में स्थित हो तो संभरक संविदा के संबंध में एक धारा होनी चाहिए कि जापानी संभरक भारतीय दूतावास टोकियो के परामर्श पर पीत परिवहन व्यवस्था करने के लिए सहमत है और इस उद्देश्य के लिए यह भारतीय दूतावास टोकियो को शामिल माल की सुपर्दी के कार्यक्रम से शब्दात्मक करायेगा और पीतलदान से कम से कम 6 सप्ताह पूर्व भारतीय दूतावास की भूचना देगा जिससे कि उचित व्यवस्था हो सके विशेष मामलों में जहां भारतीय आयात इच्छुक हो भूचना की इस अवधि को कम किया जा सकता है। जापानी संभरक को प्रत्येक पीतलदान के पश्चात आवश्यक व्यारे देते हुए तार से भूचना भेजने के लिए सहमत होना चाहिए और उसकी एक प्रति भारतीय दूतावास टोकियो को भी जानी चाहिए।

खण्ड-४ और ई सी एफ द्वारा ४(१) के भीतर ठेके की पुनरीक्षा

लाईसेंसधारी को पक्के आवेदन देने के लिए निर्धारित अवधि के भीतर दूर संचार विवाग और विदेशी संभरकों द्वारा विधिवत् हस्ताक्षरित ठेके की चार प्रतियों जो विदेशी संभरकों द्वारा लिखित

पुष्टि आवेदन के साथ हो या उसकी हर प्रकार से पूर्ण फोटो प्रतियाँ संगत वैध आवास लाइसेंस की दो फोटो प्रतियों सहित और परिशिष्ट - २ के प्रपत्र में “प्राधिकार पत्र” जारी करने के लिए आवेदन की दो प्रतियाँ आर्थिक कार्य विभाग को भेजनी चाहिए।

4(2) उपर्युक्त नियाविधि सभी ठेके के लिए ठेकों की विषय क्षमता के लिए आवासीय आवासों के कारण संशोधनों या इनकी कीमतों पर भी लागू होती है।

4(3) वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) ठेके की एक प्रति के साथ ठेके के निर्णय का नोटिस और इसी एक की पुनरीक्षा के लिए भेजेगा। ठेके निर्णय के नोटिस और ठेके की एक एक प्रति आर्थिक कार्य विभाग द्वारा भारतीय दूतावास टोकियो को और आयात लाइसेंस की फोटो काफी और “प्राधिकार पत्र” जारी करने के लिए आवेदन की एक प्रति के साथ भी ए. ए. एंड ए. क कार्यालय को भेजेगा।

चंड-5 विदेशी संभरकों को भुगतान साखपत्र कियाविधि

5(1) वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग से ठेके के निर्णय का नोटिस और ठेके के दस्तावेज प्राप्त होने पर सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक, बैंक आफ इंडिया की टोकियो शाखा को संबोधित मंत्रालय अनुबन्ध-3 में दिए गए प्रपत्र में एक प्राधिकार पत्र जारी करेगा जिसमें बैंक आफ इंडिया को टोकियो बांच सम्बद्ध विदेशी संभरक के नाम में सलग अनुबन्ध-4 (आयातों के लिए) के प्रपत्र में या अनुबन्ध-5 (सेवाओं के लिए) के प्रपत्र में एक अपरिवर्तनीय साखपत्र खोलेगी। प्राधिकार पत्र की प्रतियाँ और इसी एक भारतीय दूतावास टोकियो में आयातक के बैंक और सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक की भी भेजेगा।

5(2) प्राधिकार पत्र मिलने पर, भारतीय बैंक, टोकियो अनुबन्ध-4 (आयातों के लिए लागू होता है) या अनुबन्ध-5 (सेवाओं के लिए लागू होता है) के अनुसार संबोधित विदेशी संभरकों के नाम में अपरिवर्तनीय साखपत्र की स्थापना करेगा और उसकी एक प्रति विदेशी आर्थिक सहयोग नियधि (ओर इसी एक) भारतीय दूतावास टोकियो में आयातक के बैंक और सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक को भी भेजेगा।

सी. ए. ए. एंड ए. से प्राधिकार पत्र के आधार पर साखपत्र खोलने के लिए उपर्युक्त नियाविधि संविदा संशोधन या अन्यथा के लिए आवश्यक समझे जाने वाले ऐसे सभी प्राधिकार पत्र/साखपत्रों के संशोधन पर स्वतः लागू होंगी।

5(3) माल का पोतलदाता करने के बाद विदेशी संभरक अपने बैंकरों के माध्यम से साखपत्र में उल्लिखित दस्तावेज भुगतान के लिए बैंक आफ इंडिया टोकियो की प्रस्तुत करेगा। यदि दस्तावेज सही पाए गए तो बैंक आफ इंडिया, टोकियो दस्तावेजों में उल्लिखित धनराशि को विदेशी संभरक को उसके बैंकरों के माध्यम से रिहा करेगा और उसके बाद आयातों की लागत की धनराशि की प्रतिपूर्ति विदेशी आर्थिक नियधि से प्राप्त करेगा।

5(4) उसके अंतर्गत प्रकार्य हेतु साखपत्र खोलने के लिए बैंक आफ इंडिया को अदा किए जाने वाले बैंक प्रभार और विदेशी संभरक के बैंक के प्रभार यदि कोई हो उनका बहल आयातक/विदेशी संभरक द्वारा किया जाए। ओर इसी एक ठेके के मूल्य 1/10 प्रतिशत (0.1) प्रतिशत के बराबर धनराशि प्राप्त करने पर बचनबद्धता पत्र जारी करेगा। यह धनराशि ओर इसी एक द्वारा, स्वयं क्रहन नियधियों में से चुकाई जाएगी।

ओर इसी एक या सहायता लेखा नियंत्रक, वित्त मंत्रालय से भुगतान की सूचना प्राप्त होने पर आयातक को बचनबद्धता पत्र के खर्चों की तुल्य धनराशि भरकारी लेखे में जमा करनी होगी। प्रतिपूर्ति नियाविधि के अंतर्गत भी आयातक द्वारा 0.1 प्रतिशत का इसी प्रकार का खर्च चुकाया जाना है, बैंक आफ इंडिया, टोकियो को देय ब्याज प्रभार जिसे विदेशी संभरक द्वारा आयातों की लागत की अदायगी की तारीख से ओर इसी एक द्वारा प्रतिपूर्ति की तारीख तक गिना जायेगा और बैंक आफ इंडिया के

साखपत्र को खोलने, रख रखावा और परिचालन पर किए गए अन्य खर्चों की अदायगी प्रथमत भारतीय दूतावास, टोकियो द्वारा की जाएगी और वाद में उसे संबोधित विभाग के खाते में ढाला जाएगा।

5(5) प्रनिष्ठान क्रियाविधि

भारतीय संभरकों से माल और सेवाओं के वितरण के लिए प्रक्रिया अद्य समझौते की प्रतिपूर्ति क्रिया विधि के अनुसार होगी।

चंड-6 स्पष्टा नियोग करने के लिए उत्तरदायित्व

6(1) बैंक आफ इंडिया, टोकियो, मगत प्राधिकार पत्र के परिशिष्ट में संकेतिक अनुसार आयातक के प्राधिकृत बैंकर को पराक्रम्य पोतपरिवहन दस्तावेज भेजेगा तथा बैंकर यह सुनिश्चित करेगा कि रुपया अन्वार्य स्पष्ट से पोत दस्तावेज रिलीज होने से पहले भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक तीस हजारी, दिल्ली में जमा कर दिया गया है। विदेशी संभरकों को किए गए ये तीस हजारात के समतुल्य स्पष्टे पर ब्याज प्रभार की समय-समय पर प्रचलित दर जो वर्तमान समय में प्रथम 30 दिन के लिए 12 प्रतिशत प्रतिवर्ष है और प्रब्लिक अवधि के लिए 18% प्रतिवर्ष है, पर विदेशी संभरकों को बैंक आफ इंडिया, टोकियो द्वारा भुगतान की तिथि से वास्तविक स्पष्ट से स्पष्ट जमा करने की तिथि तक का हिसाब लगाकर ब्याज सार्वजनिक सूचना 31-आई टी सी (पी एन)/83, दिनांक 10-8-1983 के अनुसार मूल भुगतान के साथ-साथ ब्याज प्रभार भी सरकारी लेखे में जमा करना है। यह भी नोट किया जाए कि ब्याज दोनों दिनों के लिए अर्थात् जिस दिन विदेशी संभरकों को भुगतान किया जाता है और जिस दिन दस्तावेज लेखे में रुपया जमा किया जाता है, देने हैं। देवित सार्वजनिक सूचना सं. 103-आई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 12-10-76 और सार्वजनिक सूचना सं. 31-आई टी सी (पी एन)/83, दिनांक 10-8-1983 द्वारा संशोधित सार्वजनिक सूचना सं. 74-आई टी सी (पी एन)/74, दिनांक 31-5-74।

संभरकों को किए जाने वाले भुगतानों की राशि और तारीख का सुनिश्चय करने के लिए आयातक को ग्रलग से व्यवस्था करनी चाहिए। बैंक आफ इंडिया, टोकियो से आयातक के बैंक द्वारा पोत परिवहन आदि दस्तावेजों की देरी या विलम्ब से प्राप्ति को, रुपया नियोग पर लगने वाले ब्याज की आर्थिक या पूर्ण धनराशि को समाप्त करने का कारण नहीं माना जाएगा।

विदेशी संभरकों को किए गए ये भुगतान के समतुल्य स्पष्टे की गणना करने के लिए अपनायी जाने वाली विनियम की दर भुगतान की तारीख को लागू विनियम की वह मिश्रित दर होगी जो सार्वजनिक सूचना सं. 109-आई टी सी (पी एन)/74, दिनांक 3-8-74 और संख्या 8-आई टी सी (पी एन) 76 दिनांक 17-1-76 में निर्वाचित तरीके के अनुसार नियित त की गई हो अथवा जो मूल्य नियंत्रक आयात-नियर्ति की सार्वजनिक सूचनाओं के माध्यम से या भारतीय रिजर्व बैंक के मुद्रा विनियम नियंत्रण परिवर्तनों के माध्यम से सरकार द्वारा समय-समय पर घोषित की गई हो।

इस संबंध में और ब्याज की दर के संबंध में भी जब भी कोई परिवर्तन आवश्यक होगा अधिसूचित कर दिया जाएगा। यह सुनिश्चित करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक की जिम्मेदारी होगी कि देय धनराशि आयातकों को आयात दस्तावेज सौंपने से पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। आयातकों को भी यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि देय धनराशि अपने बैंकरों से दस्तावेज लेने से पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। देय धनराशि सरकारी खाते में ठीक प्रकार से दुर्लत जमा कर दी गई है। यह सुनिश्चित करने के लिए आयातक की तब भी जिम्मेदारी होगी जब वे विशेष परिस्थितियों के अंतर्गत सीमाशुल्क प्राधिकारियों से माल की सुपुर्दगी प्राप्त करते हैं। यदि आयातक सरकार को देय धनराशि को माल की सुपुर्दगी लेने से पहले जमा नहीं कर पाना तो आगे के लिए उसे प्राधिकार पल देना बदल कर दिया जाए और माल की रिपोर्ट मुख्य नियंत्रक, आयात-नियर्ति की दी जाए ताकि ऐसे आयातकों को आगे और आयात लाइसेंस जारी न किए

जाए। जिस नेत्रा शीर्ष में उपर्युक्त रूपया निषेप किया जाएगा वह "के डिपोजिटस एट प्रैश्वान्मिंग-१४४३ सिलिं डिपोजिट-डिपोजिटस पार परचेजिं एटराइ अवाह-पाचेज अपर शेफिट/लोग एर्सेटेस", तो न कोम दि गवर्नेंट आफ जापान ११.४१४ विनियन येन शेफिट से आई ही पी - फार दी भाष्यर पम्पड स्टोरेज परियोजना होना चाहिए।

(६) (२) चालान के बायं कोने में कोड नं. ५१३००००००७ इसनि द्वारा उपर्युक्त धनराशि या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली में या एंटे बैंक आफ इडिया, तोन हजारी, दिल्ली में सरकार के शेफिट में नकद जमा होनी चाहिए। जैसा कि इस संबंध में समय समय पर जारी की गई मार्क-जनिक सूचनाओं में निर्दिष्ट है।

(६) (३) सरकार वित्त मन्त्रालय, आधिकार कार्य विभाग द्वारा ऐसी नाम किए जाने के बाव सात विंगों के अंदर भव्यद्व भारतीय बैंक भी उपर्युक्त निर्धारित तरीके से वह अनिरिक्त धनराशि सेवा खर्चों के निभिन्न भंजेगा जो वित्त मन्त्रालय आधिकार कार्य विभाग द्वारा मारी जाए। चालान के विभिन्न कालमों को भरने समय आयातों उनके बैंकों को उस बात दा मुर्दितिय कर नेता आई, कि सर्वजनिक सूचना नं. १३२-आई दी सी (पीएन)/११, विनांक ५-१०-१९७१ के पैरा-२ म निर्धारित सूचना चालान के कालम "धन परेण्य और प्राधिकारी (मदि कोई हो)" के पूर्ण व्यार" में निरपदाव रूप से निर्दिष्ट की गई है। खजाना चालान में निम्नलिखित व्यारे निरपदाव रूप में प्रस्तुत करता चाहिए:—

(व) वित्त मन्त्रालय की भुगतान प्राधिकार पत्र (ए. पी.) की नंखा और दिनांक।

(ख) येन मुदा की वह धनराशि जिसके संबंध में अपनाई गई परिवर्तन वी दर के साथ निषेप किए जाने हैं।

(ग) विवेशी संधरक को भुगतान करने की तिथि।

तत्प्रचात सी. ए. ए. ए. ए. ए. द्वारा जारी किए गए भुगतान प्राधिकार पत्र का संदर्भ वेने हुए और भीजक सम्या पोन परिवहन वस्तावेंजों की प्रतियों को संलग्न करते हुए खजाना चालान रूपया जमा करने का साक्ष्य देते हुए पंजीकृत शक द्वारा सी. ए. ए. ए. ए. ए. को भेजा जाना चाहिए।

टिप्पणी:- भारत के आयातक के बैंक के यह मुनिश्चय करना चाहिए कि रुपये का निषेप बैंक आफ इडिया, टोकियो से अदायगी की सूचना और विनियम पोतलवान वस्तावेंजों की प्रति के 10 विंगों के अन्दर निरपदाव रूप से किया जाना चाहिए और यह कि इसके तत्काल बाद सी. ए. ए. ए. ए. ए. ए. वित्त मन्त्रालय (आधिकार कार्य विभाग), दिल्ली की सूचित कर दिया जाएगा।

६(४) भारत में सम्बद्ध बैंकों नाइसेम की मुख्य विनियम नियंत्रण प्रांत पर रूपया निकों की धनराशि का पृष्ठाफ़न करना चाहिए और अपेक्षित "एम" प्रपत्र भारतीय रिजर्व बैंक, अम्बाई को भेजी जानी चाहिए।

खण्ड-८ विविध प्रावधान

८(१) अनुदान सहायता के लिए उपयोग की रिपोर्ट

भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र जारी होने के बाद आयातक को पोतलदानों और उसके अधीन किए गए भुगतानों के संबंध में और जो पोतलदान होता वाली है, उनके विषय में एक मासिक रिपोर्ट सी.ए.ए.ए.ए के आधिकार कार्य विभाग, वित्त मन्त्रालय, युको बैंक विविध, संसद मार्ग, नई विस्ती को भेजनी चाहिए।

८(२) विशेष शर्त के बारे में संधरकों को प्रधिसूचित करता

आयातक को चाहिए कि यह इस अनुदान सहायता के अन्तर्गत मास में संविधित किसी विशेष शर्त से संधरकों को प्रवर्गत कराएं जो ममझाते का पालन करने में संधरकों पर प्रभाव डालती ही।

(३) विवाद

भह समझ सेना चाहिए कि आयातक और संधरकों के बीच में यदि कोई विवाद होता तो उसके लिए भास्त सरकार कोई उत्तरदायित्व नहीं लेगी। बैंक आफ इडिया, टोकियो द्वारा भुगतानों से पूर्व संधरक द्वारा परी की जाने वाली शर्त माफ का "भुगतानों के नियमों में" अनुबन्ध-१ में आयातक द्वारा दर्शायी जानी चाहिए। विवादों से निपटने की शर्त नेंके की शर्तों में गमित होता चाहिए।

३(४) भावी अनुदान

आयात या नाइसेम या उसके सबध में उठने वाले किसी या सभी मामलों में भास्त सरकार द्वारा समय समय पर जारी किए गए नियंत्रणों अनुदानों या प्रावेशी का तथा जापान विदेशी आधिकार सहयोग नियम (जो.ई.सी.एफ.) के साथ येन क्रिडिट समझौता (परियोजना महायाना) सं, आई ही पी-५३ के अन्तर्गत सभी विविधों के आयातक को मुख्य पालन करना होगा।

४(३) अनिकाग व उत्तराव

उपर्युक्त व्यापो में निर्धारित की गई शर्तों के अतिक्रमण या उत्तराव करने पर आयात नियंत्रण (नियंत्रण) अधिनियम के अधीन उचित कायं-काही की जाएगी।

४(६) अनुबन्धों की सूची--

१. अनुबन्ध-१ प त्र स्वोत वेशों की सूची।
२. अनुबन्ध-२ प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए अनुरोध।
३. अनुबन्ध-३ प्राधिकार पत्र का प्रपत्र।
४. अनुबन्ध-४ साख्यत का प्रपत्र (आयातों के लिए लागू)
५. अनुबन्ध-५ साख्यत का प्रात्र (सेवाओं के लिए लागू)।

उपायन्ध-१

पत्र स्वोत वेशों की सूची

क. दकामशील देश और क्षेत्र

(क-१) विवेशी आधिकार सहयोग से भिन्न विकासशील देश

१. आफीका, उत्तरी सहाय

मिश्र

मोरको

मुनीशिया

२. आफीका, विविधों सहारा

अंगोला

बोनिन

बोत्सवाना

बहूस्ती

कमरोन

कैप बर्ड बीप

मध्य अफ्रीका गणराज्य

चाह

कोमोरोडीप

कांगो, दाहुरी जनवा(वी गणतन्त्र)

इक्वेटोरियल गिनी (१)

इथोपिया

गान्धिया

घोना

गिनी

आइडी कोस्ट

(१) फराजो पी-पी द्वीप, महिन लेन गिनी का प्रदेश।

केस्ट्रा
नेमोयो
पाइपलिंग
मालामासी गणतंत्र
मालावी
म नी
भारिटिया, म.रिशम
मोजाप्पिक
नाईगर
पुत्रग(ली गिनी)
रियनियन
गोवेणिया
रवान्डा
सेंट हेलेना और डेप (१)
स ओ टोमो और प्रिसिपान
मेनेगान
मेचिर्जाज
सायरे लिंजोन
मोम लिया
सूडन
स्कॉलैंड
टरो, अफस और इसास
ठोगो
यूगान्डा
तजानिया गणतंत्र मंच
अपर बोल्डा
जाइरे गणतंत्र
जामिया

३. अमरीका, उत्तरी और केंद्रोंय
बहामास
मरम जा
बार्बोडास
बैलीज
फोस्टा रीका
ब्यूबो
इ.मिल्किन गणतंत्र
एस सल्वाडोर
गुआलोप
खाडेमाना
हटी
होम्बूरस
जैका
मार्टीनिको
मैनिस्को
नीडरलैण्ड एस्टीलीज
निक रागु आ
पतामा
सेंट पियरी और मिक्यूलोन
ट्रिनिडाड और टोबानो

(२) नेमालिखित द्वीपों सहित—एस्केनियन फ्रिस्टेन डा इनएस्सेलिब्रेस
नाईट्रोन, गफ ।

(३) मुख्य द्वीप समूह, प्रशांत, बोहाइरे, अमूरकालो, साहा सेन्ट ।

३. प्रमेरिका उत्तरी और मध्य
बेस्ट्राईज (भाषा) एन. प्रथम
(क) सह संघर्ष राज्य (१)
(ग्र) आश्रित (२)

४. दक्षिणी प्रमेरिका
अर्जेंटीना
बोलिविया
ब्राजील
चिली
फोलिम्बिया
फालक लैण्ड द्वीप समूह
फ्रांस गिनी
गुयाना
पराम्बे
पीव
सुरिनाम

५. मध्य पूर्वी एशिया
बहरीन
इरान ईरान
जाइन
लेबनान
ओमान
सिरियाई प्रखण्ड गणतंत्र
पूनाईटिड प्रखण्ड अमिरात (३)
यमन प्रखण्ड गणतंत्र
यमन जनवादी गणतंत्र (४)

६. दक्षिण एशिया
अकमानिस्लान
बग्लावेश
भूटान
बर्मा
भारत
मालद्वीप
नेपाल
पाकिस्तान
श्रीलंका

७. सुन्दर पूर्वी एशिया
बहनी
हांग कांग
खमेर गणतंत्र
कोरिया गणतंत्र
झान्दोस
मकाओ
मलेशिया
फिलीपाइन
मिनापुर
ताइवान

- (१) मुख्य द्वीप एटिक, डॉमिनिका, ग्रेनेडा, मेल्ट किट्स (सेंट क्रिस्टोफे)
नोविस अंगुला, सेंट लुसिया और सेंट विसेट ।
- (२) मेन प्राइलैण्ड, बोलेसरत, सेमान तुर्क प्रीर कोइकोस प्रीर
ब्रिटिश बर्जिन द्वीप समूह ।
- (३) भ्रजपन, बुर्बी, कुशीराह, गस घल खेमाह, गरजाह और अम
आग कवाइचान ।
- (४) अवन और विस्तर गलामन और अमीरात गहिंग

भारतीय
निमोर
विष्वताम गणनेत्र
विष्वताम जनवादी गणनेत्र

विष्व-ऐत लेडिट है चाई जी पी। (198
वे विष्व परियोजना सहायता) के अन्तर्गत
दो ना आयतन।

महोदय,

४ ओमिनिया

कुन द्वीप ममह
किंजी
गिल्वर्ट और इलाइम द्वीप
फालिस दोलिनेशिया (५)
नाम
म्यू केलेन्डोनिथा
न्यू ईव्रिसिस (ब्र और प्र.)
नियु
पैसीफिक द्वीप समूह (नेपुक राज्य) (६)
पापुवा म्यू शिनी
सोलोमन द्वीप समूह (ब्रा)
टोगा
बालिस और कुतूना
परिषमी सामोआ

९ घूरोप

भाइप्रा
जिङ्गाल्टर
श्रीस
भाल्टा
स्पन
तुर्की
पूर्णोल्लासिया

(५) सोसाइटी भाई लैण्ड समूह (ताहिती महित) को शामिल
करते हुए आस्ट्रल द्वीप समूह, ट्रामोटू-गम्बियर युप और मार-
ब्यूसेम द्वीप समूह।

(६) परिषिक द्वीप का दृष्ट प्रदेश कारोलीन द्वीप, मार्शल द्वीप
समूह और मेरिन द्वीप समूह (गामा को छोड़कर)

(क-२) यो पी ई भी के मद्योगी देश

मल्जीरिया
बोलिया
लीबिया और गणतन्त्र
नेवोन
नाहजीरिया
इक्कोर
बेल्जिया
ईरान
ईराक
कुवैत
अब्दार
साक्ती भरथ
आबू धाबी
इस्लॉनिया

उपायक्षम्य-२

प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए
आवेदन पत्र

विमोक्ष

संख्या

सेवा मे

सहायता लेवा सथा लेवा परीक्षा नियंत्रण
वित्त मंत्रालय, प्राधिक कार्य विभाग,
यू. को. बैंक विनियोग, प्रधम मंत्रिल,
परियामेट स्ट्राइ, मई दिनांक-110001।

उपर उल्लिखित मेन लेडिट में आई ही पी-
(परियोजना सहायता) के अधीन-
प्रायत्र के सम्बन्ध में-
(बैंक का नाम) जो
कि बही होना चाहिए, जो नीचे (३) में सम्बद्ध विद्युती गमरके के नाम में
साथ पत्र लेखने के लिए दिया गया है के पश्च म प्राधिकार पत्र जारी
करने के लिए हम आपको निम्नलिखित इच्छा प्रस्तुत करते हैं--

- (अ) भारतीय आयतक का नाम और पता।
- (ब) आयत लाइसेंस की मध्या दिनांक और मल्य और वह नारीच
जिम तक वैध है।
- (ग) अधिप्राप्ति के तरीके-क्या वह सीधे क्य पर आधारित है या
ओपरारिक जुली अन्तर्राष्ट्रीय निविदा पर आधारित है। इस
मामले में कारणों तहिन वह निविदा करना चाहिए कि क्या
निविदा का नियंत्र उपयुक्त तरीकी प्रकार वे आधार पर
किया गया है।
- (घ) माल वा संक्षिप्त विवरण।
- (इ) माल का उत्तरम देश।
- (ज) पात्र से इतर स्वोत देशों से आयामित संघटकों का प्रतिशत
यदि कोई हो तो
- (झ) निविदा का कुल जहाज पर्यन्त नि शुल्क/नागर और भाषा मन्त्र
(मेन में)।
- (ञ) यदि कोई हो तो सार्वत्रीय एजेंट के अधीन की धनरणि
(मेन में)।
- (ञ) वास्तविक जहाज पर्यन्त नि शुल्क/नागर और भाषा मल्य (मेन
में) जिस के लिए प्राधिकार पत्र की जरूरत है।
- (ञ) विदेशी संघटकों के साथ की गई नियम की मध्या एवं
विनाक।
- (ट) विदेशी संघटक का नाम और पता।
- (ठ) भूगतान जर्ने और वे त्रैमात्रित नियमों जिनमें सधिया के
अन्तर्गत भूगतान देय होते।
- (अ) सुपुर्दी को पूर्ण करने की प्रस्तावित तिथि।
- (इ) बैंक आफ ईडिया टोकियो को भूगतान करने समय प्रस्तुत
किए जाने वाले वस्तावेज (प्रैमिक सेट की गण्या और उपाय
निपटान विकासी हुए)।
- (ण) पोतलदान अनुदेश (निवाद कीजिए वि वाहनाभ्यरण/पार्ट शिपमेट
की अनुमति की गई है या नहीं)।
- (न) माल में आयतक के बैंक वा नाम और पता।
- (थ) क्या उसी लाइसेंस के अन्तर्गत निविदा (त्रिविदाएं) की गई है
और जापानी प्राधिकारियों को प्रधिभूतित कर दिया गया है
यदि हाँ, तो ऐसी प्रत्येक निविदा की मध्या दिनांक और मल्य
और वित्त वकालत का वह गदर्म जिसके अन्तर्गत ओ उन्हीं
एक को प्रधिभूतित किया गया है।
- (द) क्या नासाक्र के मंचनक और रक्त रक्षाक के लिए बैंक आफ
ट्रिविदा टोकियो को देय बैंक वा आयतक वा संघटकों द्वारा
वहाँ किए जाते हैं।
- (घ) आयतक द्वारा वकालत --

"हम एतद्वारा तरकार हाथ निर्वाचित तरीके और वह से धिवणी
संभरक को किए गए भूगतान से समतुल्य एवं को पूरा और सही जमा

करने के बचत देते हैं। प्रत्येक मास (प्रायः नित साप्तरी) की भुगतानी ऐसे से पूर्व तत्काल निधि जमा करा दिया जाएगा। विदेशी संभरकों के संबंधित वीजक हमारे द्वारा अनुमोदित होने और उनकी आवश्यकी करने ही विदेशी राष्ट्रियों की सेवाओं के लिए मुगलानामों के मामले में निषेप कर दिए जाएंगे और संभरकों को मुगलान कर दिया जाएगा।

उत्तराखण्ड-

(प्राधिकार पत्र का प्रपत्र)

ग

भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

प्राधिक कार्य विभाग

नई दिल्ली, दिनांक

सेवा में

बैक आफ इण्डिया,
टोकियो शास्त्रा,
टोकियो (आपान)।

विषय: यैत ट्रेडिंग (परिवेशन महायन) अनु करार म

आई. डी. पी. के अधीन आयात साधन पत्र खोलने के लिए प्राधिकार पत्र जारी करना।

प्रिय महोदय,

आपके बैक के साथ दिनांक 15-3-80 की कि गए समझौते की शर्तों के अनुसार आपको एतद्वारा यथा संलग्न व्यापे के अनुसार सर्वथी..... के नाम से यैत वित्तराशि के लिए अपरिष्ठतीय साधन पत्र खोलने के लिए प्राधिकृत किया जाता है।

1. आपके बैक द्वारा खोले गए प्रत्येक साधन पत्र को प्रति आयातक के बैक, ऑर्झिटी.एफ., भारतीय रूपालास, टोकियो और हमें पूर्णांकित की जाए।

2. साधनक की शर्तों के अनुसार प्राप्ति में संभरकों को मुगलान आपकी निधि से किया जायगा। आप ऑ.ई.सी.एफ., को अवश्यक दस्तावेज भेजकर किए गए मुगलान की प्रतिपूर्ति का बाबा सत्काल करें।

3. विदेशी संभरकों की आवश्यकी करने समय आप (आयातक के बैक का नाम क पता) मूल पोललान दस्तावेज (वित्तराशि), पूर्ण दस्तावेजों का प्रतिरिक्त सेट तथा संभरकों को को गई आवश्यकी का भाग डास्टों की मुख्या, तत्काल आवश्यकी, यदि कोई की गई हो तो उसकी प्रति येजे।

4. विदेशी संभरकों की आवश्यकी करने समय आप (आयातक के बैक का नाम क पता) मूल पोललान दस्तावेज (वित्तराशि), पूर्ण दस्तावेजों का प्रतिरिक्त सेट तथा संभरकों को को गई आवश्यकी का भाग डास्टों की मुख्या, तत्काल आवश्यकी, यदि कोई की गई हो तो उसकी प्रति येजे।

5. सप्ताह पर को आपके द्वारा किए गए मुगलान की तारीख तथा आई सी एफ द्वारा आपको की गई उसकी प्रतिपूर्ति की तारीख तक की अवधि का आपको दैव व्याज प्रमाणी तथा अधिक वर्किंग प्रमाणी जिसमें साधन पत्र खोलने, उसके रद्द वाल तथा मंत्रालय पर होने वाले भार लेन देन संबंध दस्तावेजों आविष्कार से संबंधित बैंकिंग प्रमान आमिन हैं, का मुगलान भारतीय दूतावास, टोकियो आपको करेगा तथा उसे संबंधित विदेशी के नाम द्वारा जाएगा।

6. जैसे ही आपके द्वारा कोई मुगलान किया जाए और उसकी प्रतिपूर्ति आपको कर दी जाए तो उसकी मुख्या निर्धारित पत्र में हम संक्षालन की भौमि भी जाती जाहिए।

7. यह प्राधिकार पत्र विदेशी संभरकों के नाम में साधन पत्र खोलने के लिए है। साधन पत्र में बाबा आप संशोधन या प्राधिकार पत्र के मुद्रे मध्यम से साधन पत्र इस वित्तराशि से विशेष प्राधिकार प्राप्त किया जाएगा तथा नहीं होगे।

8. यह प्राधिकार पत्र तक देख रखेगा।

9. कृपया इस करार में वर्णित गयी पत्रालास और भुगतान का उल्लेख करने वाले मुख्या पत्र ने इस अनुदेश पत्र के गाँव पत्र द्वारा गई विवरणों का उल्लेख करें।

मध्येत्रीय,

(लग्ना अधिकारी)

प्रति निम्नलिखित गो प्रेसिन—

1. आयातक को उसके पत्र में विनांक के नदर्म में।

उनसे अनुरोध है कि वैनरों से वित्तराशि दस्तावेजों की हिन्दीश्वरी ऐसे से पूर्व निर्धारित दर पर और संस्कृत से अपने बैंकरों के माध्यम से राप्या निषेप आविष्कार करने का प्रबंध करें। विशेष परिस्थितियों के कारण परि माल की विलीबिरी सीधे ही सौमाशूलक और पत्तन प्राधिकारियों से मूल पोललान में जिस विवरण को उल्लेख कर ली गई हो तो विलीबिरी लेने से पूर्व ही विशेष निषेप किए जाने चाहिए। विदेशी राष्ट्रियों द्वारा वी गई देवांगों के लिए मुगलान के मामले में जैसे ही वस्तु वीजक मुगलान के लिए अनुमोदित हो जाए, निर्वाय कर दिए जाएं। निर्वाय जल्दी और टीक में न करने पर लाइसेंस की गती में यथा उल्लिखित आवश्यक कार्यवाही की जा सकती है।

2(1) आयातक के बैंक विनांक के नदर्म में है। यह प्राधिकार पत्र यैत कोडिंग के अन्तर्गत आयातों को आमिन करने वाली निर्धारित लाइसेंस शर्तों के तहत जारी किया जाता है। लाइसेंस शर्तों और संबंधित नार्वेजिनिक मुख्यालाओं/मार्गेशों आविष्कार के देवये और प्राप्ति/विदेशी मुगलान करने समय उचित करवाई करे।

2(2) निवेदन किया जाता है कि बैक आफ इण्डिया, टोकियो आपके द्वारा यैत विदेशी संभरकों को यैत मुगलान के बदावर रूपये जमा करने की व्यवस्था करें। संभरकों को रखाई गई धनराशि के बदावर रूपये की गणना सार्वजनिक मुख्या में ४-घाँटी टी सी (पी एन)/76 दिनोंक 17-1-76 या मध्य ऐसी ही सार्वजनिक मुख्या जो समय समय पर आरी की जाए के अनुसार विदेशी संभरकों को मुगलान करने की तिथि को यथा प्रतिवर्तन की भौमूल दर पर की जाएगी। प्रथम 30 दिनों के लिए 12 प्रतिशत वापिक दर से और इससे अधिक अवधि के लिए 18 प्रतिशत वापिक दर से द्वाज जो कि संभरकों को मुगलान की तारीखीवेक आफ इण्डिया, को प्रतिमूलि भी तारीख और जिस तारीख यो समनुव्या राप्या भारत सरकार के लेखों में जमा किया जाए उस दो अवधियों के बीच की अवधि के प्रतिवर्तन करने वाले भी सार्वजनिक मुख्या में ३-घाँटी टी सी (पी एन)/76 दिनोंक 10-8-83 के अनुसार भारत सरकार के लेखों में जमा करता है। व्याज दोनों दिनों के लिए देय है अवयन् वह तारीख जिसको यैत विदेशी संभरकों को मुगलान किया जाता है और वह तारीख जिसको भारत सरकार के लेखों में रूपया जमा कराया जाता है। (जब यो इस दर ने प्रतिवर्तन किया जाएगा तो उसकी भूक्तना दी जाएगी) यह मुनिश्वेत कर देना चाहिए कि आयातक को सौमाशूलक निकासी के लिए आयात वस्तावेजों का मूल सेट दिए जाने से पूर्व यह धनराशि जमा की जानी है।

वे धनराशियों या तो भारतीय रिजर्व बैंक, गई विलीब भा मार्गेशी एस्टेट बैंक, तीस हजारी में जासान के धार्हनी और कोड में, 5130000004 दबाते हुए जमा करनी चाहिए। इस संबंध में उनका धनराशि सार्वजनिक मुख्या सूचना सं. 184-ग्राही-टी सी (पी एन)/68, दिनोंक 30-8-68 तथा 33-ग्राही-टी सी (पी एन)/68 दिनोंक 14-10-1968, 131-ग्राही-टी सी (पी एन)/71, दिनोंक 5-10-1971 में, 74-ग्राही-टी सी (पी एन)-/74 दिनोंक 31-5-1974 तथा 103-ग्राही-टी सी (पी एन)/76, दिनोंक 12-10-76 में लिए गए प्राप्तियों की ओर दिलावा जाना है। इस लेखा शीर्ष में रूपया

जमा करता है 'के इसार्जिट्स पृष्ठ एंडवर्मिज ४। निविल इसार्जिट्स इसार्जिट्स कार परनेजिज एट्सट्रा अब्रोड ब्रॉडर, ५८ नेशनल ट्रॉफिट' सोने को स व गर्नेमेट आफ जापान विलियन येन क्रेडिट (विलियन नाम गढ़ा नहीं) ५ अप्रैल १९८८ का १९८८ है।

दिन मामलों में तुम्ह यथा रिक्ष नैक आफ इंडिया, नई दिल्ली न ग्रेट वैक आफ इंडिया, तीव्र हजारी दिल्ली में सार्वजनिक सूचना म १३२-आई ई मी (पी एन), ७१, दिनांक ५-१०-१९७१ के अनुसार तब इस जमा किया जाता उन मामलों में आलाने वो मूल स्पष्ट में एक प्रान्तिक्षिप्त उनके द्वारा निम्नलिखित पते पर भेजनी चाहिए, जिस के साथ वैक आफ इंडिया, दोस्तियों द्वारा में प्राप्त मत्तवा दिलागियों का पूर्ण रिक्षण दे द्वारा पक्ष अधिष्ठित हो। जारिगा।

गहाना नैवा तथा लेखा परीक्षा नियन्त्रक,

वित्त मंत्रालय, (आर्थिक कार्य विभाग),

पहाड़ी मजिल, य बो, बैक इंडिया

मेंद मार्ग, नई दिल्ली - ११०००१

जिन मामलों में तुम्ह यथा अपर भैक दिनांक २४-१०-६८ में यथा उल्लिखित दर्शनी द्वारा प्रतियन करना है उसकी सूचनाएँ उत्तर्यक्त पते पर भेजनी जानी चाहिए। अभी मामले में, जमा किया गए तुम्ह यथे का पूरा व्यापार उन विभाग को भेजना चाहिए।

सलायर को भूगतान की नारीक तथा ओ, ई सी एफ ड्वारा वैक आफ दोस्तियों की की गई प्रतिकूलित की तरीके के बीच की अस्थिरि का बेक आफ इंडिया को देय व्यापार प्रभार तथा उसे देय अन्य वैकिंग प्रभागों वा भूगतान शह में भारतीय द्रावाम, दोस्तियों द्वारा किया जाएगा तथा उसके बाद सवित्रित विभाग के नामे डाला जाएगा।

३ निरेणक, ऋण विभाग-२ आर्थिक सहयोग निधि, टाकेवामी गोड़े विलिंग, ४-१, श्रोहने सार्मी - १ कोमे, वियोडा कु, टोस्तियो १००, जापान।

४ भारतीय द्रावाम, दोस्तियों।

५ अत्रवर मनिय, जापान-प्रनुभाग, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, नई दिल्ली।

(नैवा अधिकारी)

उपायन्त्र - ५

प्रपत्र ओ ई सी एफ, एन सी - १

अपरिवर्तनीय साथ्यपत्र

(माम के लिए लाग)

शिनोक

देवा में

यह साथ्यपत्र (आर्णी) और विदेशी आर्थिक सहयोग निधि के बीच हुए ऋण करार में दिनांक - के अनुसरण में जारी किया गया है।

मनोदृश्य

हम आपको सचिव करते हैं कि हमारे नाम में भेजे गए आपके पूरे अंतर्जक मूल्य के लिए आप के माइट ड्राफ्ट द्वारा उपलब्ध रकम वा रकमों के लिए अन्तर्जक के पक्ष में प्रपरिवर्तनीय साथ्यपत्र ग - - - - भोल किया है जो - - - - (अर्थात् येन) की कूल धनराशि में अधिक तरह जिमके साथ निम्नलिखित दस्तावेज द्वारा जारिगा - - - -

हम आपको सचिव करते हैं कि हमारे नाम पर पूर्ण उल्लिखित मूल्य के लिए हितापिरार्सि के ड्राफ्ट एट साइट द्वारा उपलब्ध रकम जिसकी कूल धनराशि (- - - - येन ते) अर्थात् नहीं है, जो लिए आवेदन के नाम में हमने प्रपरिवर्तनीय साथ्यपत्र ग - - - - खोल किया है।

जिनमें पोतमशान, (माल के लदान वा संक्षिप्त विवरण) को प्रभागित करने हुए, मविदा स. - - - - - (रदि कोई हो) के पदभूमि में - - - - - से - - - - - तक आर्थिक पोतमशान स्वीकृत है। बाहनामरण स्वीकृत है। लशन विल - - - - - के बाद नी निधि वा नहीं होना चाहिए। ड्राफ्ट - - - - - - तक मैन टेन के लिए अवधि प्रस्तुत किए जाने चाहिए। इस शृंग के अनुरूप भी द्वारा द्रापट तथा दस्तावेजों पर "अपरिवर्तनीय साथ्यपत्र ग - - - - - दिनांक - - - - - के अन्तर्गत आहरण किया गया और आयात मर्दभूमि यज्ञो (मष्टाण) - - - - - (रदि कोई हो) अकित द्वेता चाहिए।"

यह वैकिंग लग्नान्तर्गतीय नहीं है।

हम एनद्राग बचन देते हैं कि इस वैकिंग के अन्तर्गत और इसकी शर्तों के अनुपालन में हमारे नाम में भेजे गए सभी ड्रापट प्रस्तुत करने पर और आर्थिकों को दस्तावेजों की सुपुर्देशी पर विधिवत स्वीकार किए जाएंगे।

तब नक अन्यथा स्पष्ट में उल्लेख न किए जाए यह वैकिंग "युनिफार्म कम्प्टम एंड प्रैटिट्या कार चार्कॉमेटी वैकिंग (१९७४ विविजन) इण्टरेंटेनमेंट एवं आर्थिकों को दस्तावेजों की सुपुर्देशी पर विधिवत स्वीकार किए जाएंगे।

लेन-देन करने वाले वैक के लिए विजेय अन्देश - - - -

१ उपर्युक्त रूप में उल्लेख न किए जाए यह वैकिंग "युनिफार्म कम्प्टम एंड प्रैटिट्या कार चार्कॉमेटी वैकिंग (१९७४ विविजन) इण्टरेंटेनमेंट एवं आर्थिकों को दस्तावेजों की सुपुर्देशी पर विधिवत स्वीकार किए जाएंगे।

२ लेन-देन करने वाले वैक को हमें ड्रापट और दस्तावेजों वा एक पूर्ण मट और उसके साथ यह अनावे हुए एक प्रमाणपत्र अवेद्य भेजता चाहिए कि ये वैक द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार ड्रापटों की धनराशि को लौटा देंगे।

३ इस वैकिंग के अन्तर्गत वैक के सभी घरें आयातक/मर्दभूमि के खाले में देय है।

भवशीय

()

वाणिजिक वैक

द्वारा -

प्राप्तिकृत दस्तावेज

उपायन्त्र - ५

प्रपत्र ओ ई सी एफ - एन सी - २

अपरिवर्तनीय साथ्य पात्र

(सेवाओं के लिए लाग)

दिनांक

सेवा में

यह साथ्यपत्र (आर्णी) और विदेशी प्राथिक सहयोग निधि के बीच हुए ऋण करार में दिनांक - - - - - के अनुसरण में जारी किया गया है।

(भद्रक का नाम और पता)

प्रिय महोदय,

हम आपको सूचित करते हैं कि हमारे नाम पर पूर्ण उल्लिखित मूल्य के लिए हितापिरार्सि के ड्राफ्ट एट साइट द्वारा उपलब्ध रकम जिसकी कूल धनराशि (- - - - येन ते) अर्थात् नहीं है, जो लिए आवेदन के नाम में हमने प्रपरिवर्तनीय साथ्यपत्र ग - - - - - खोल किया है।

इसमें इसके साथ संलग्न भूगतान अनुसूची के अनुसार प्रतिवेदन के संबंध में डेका या —— में संबंधित दस्तावेज होने जाहिए। लेन देन के लिए ड्राफ्ट —— से पहले प्रस्तुत किए जाने चाहिए।

सभी ड्राफ्ट और दस्तावेजों पर “आर्टिकलर्नीय क्रेडिट्स” —— के अन्तर्गत छात लिखा होना चाहिए।

यह क्रेडिट दस्तावेजीय नहीं है।

हम एतद्वारा बताते हैं कि इह क्रेडिट के अन्तर्गत उपर्याप्त भूगतान शर्तों का अनुपालन करके सभी ड्राफ्ट प्रस्तुत करने पर और आदेशों की दस्तावेजों की सुनुदी पर विधिकृत स्वीकार किए जाएंगे।

जब तक अन्यथा रूप से विस्तारयुक्त उल्लेख न किया जाए यह क्रेडिट “यूनिफार्म कस्टम एंड प्रेक्टिस फार आक्सेटोरी क्रेडिट्स (1974 रिवीजन) इन्टरनेशनल एम्बर आफ कार्मस ऑफर नं. 290” के अधीन है।

लेन-देन करने वाले दस्तावेजों को विशेष अनुदेश :

1. इसमें संलग्न प्राप्त के अनुसार (अर्णी और इसके संलग्न प्राधिकारी) हारा जाने विषे गण निष्पादन के सब विद्युत वी ग्राउंट के पश्चात इस क्रेडिट के अन्तर्गत भूगतान इसमें संलग्न फीट में निर्धारित भूगतान अनुसूची के अनुसार किये जाने चाहिए। प्रारम्भिक भूगतानों के मामले में उपर्युक्त निष्पादन के विवरण के बजाए हिन्दियारी का विवरण अपेक्षित है।

2. ऊपर उल्लिखित कृष्ण नमूदोने के अधीन जारी किए गए बचत-बढ़ावा पत्र के उत्तरांशों के अनुसार विवेशी आर्थिक सहयोग विविध संघों द्वारा जारी किये गए अनुदेशों के अनुसार ड्राफ्ट को रागि अपेक्षित करने का बचत देते हैं।

3. उपर्युक्त मद 1 में यथा उल्लिखित दस्तावेजों की एक प्रति और ड्राफ्ट उनकी प्राप्ति के तुरन्त बाद ही हमें भेजे जाएंगे।

4. इस सार्वजनिक के अन्तर्गत बैंक के सभी वर्जे आयातकों/संभरकों के बातों में देश है।

प्रबंधी,
आर्थिक संकाय
द्वारा
(प्रारम्भिक दस्तावेज)

भूगतान अनुसूची

यह भूगतान अनुसूची इसारे माध्यम से —— का एक अधिन्याय है।

1. प्रारम्भिक भूगतान

धनराशि —— येत जो कृत संविदा मूल्य का —— प्रतिशत है। अपेक्षित दस्तावेज . किनारिकी का विवरण प्रस्तुत करने की अंतिम तारीख :

2 भूगतान प्रगति

गण्युर्ण योग धनराशि —— येत सो कृत संविदा का मूल्य —— प्रतिशत है जिसका भूगतान निम्नप्रकार ने किया जाना है :-

देश धन राशि प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि

पहली किस्त, येत

दूसरी किस्त, येत

अपेक्षित दस्तावेज : (कृष्ण धनराशि उक्तके संलग्न प्राधिकारी) द्वारा जारी किए गए निष्पादन या एक प्रपत्र संतुल है।

एक प्रपत्र संलग्न है।

निष्पादन का विवरण

दिनांक

संदर्भ

सेवा में

(संभरक द्वा नाम और पता)

संदर्भ.— दृष्ट करार में —— के अन्तर्गत —— परियोजना से संबंधित —— ने नाम में —— येत के लिए —— द्वारा जारी किए गए साधारण विवाह —— की में —— विवाह

में अद्योहस्तावरी (अर्णी) का प्रतिनिधित्व करने द्वारा और —— के वीच संधिया में —— में निहित भूगतान वी एनों के अनुगाम विरेणी आर्थिक महायका निधि द्वारा —— येत की धारणा —— येत मत्र) प्राप्त करने के लिए —— को प्रार्थित करने के लिए निष्पादन विवरण जारी करना हूँ।

(अर्णी)

द्वारा

(प्रार्थित हस्ताक्षर)

विशेष अनुदेश :-

वास्तविक निष्पादन का विवरण इसमें गंभर नहीं दर्शाया गया। भूगतान शर्तें

भूगतान की मह शर्त इसारे मध्यम से —— वर्ग एक अधिन्याय अंग है।

1. प्रारम्भिक भूगतान

धनराशि —— येत कुल संविदा मूल्य का —— प्रतिशत है। अपेक्षित दस्तावेज : अंतिम भूगतान तिथि :

2. मध्यस्थ भूगतान (यदि कोई हो)

धनराशि —— कुल संविदा मूल्य का —— प्रतिशत है। अपेक्षित दस्तावेज : प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :

3. पोत परिवहन दस्तावेजों के मद्देश भूगतान

धनराशि —— कुल संविदा मूल्य का —— प्रतिशत है।

टिप्पणी:- यह संलग्न फीट पोत परिवहन दस्तावेजों के मृद्दे पूर्ण भाग में अपेक्षित नहीं है।

MINISTRY OF COMMERCE

Import Trade Control

Public Notice No. 150 ITC(PN) 88-91

New Delhi, the 28th July, 1989

Subject :—Licensing conditions in respect of import of equipment and services ID-P.53 for Yen 11,414 Billion for implementation of the Ghatghar Pumped Storage Project of Maharashtra Govt. (Irrigation Department) extended by the Overseas Economic Cooperation Fund (OECAF) of Japan.

File No. IPC(23)(53) 88-91.—The terms and conditions governing import equipment and services under the Yen Credit Loan No. ID-P. 53 for Yen 11,414 Billion for Implementation of the Ghatghar Pumped Storage Project ($2 \times 125\text{MW}$) of Maharashtra Govt. (Irrigation Department) extended by the Overseas Economic Cooperation Fund (OECAF) of Japan, as given in Appendix to this Public Notice are notified for information.

Sd/-

TEJENDRA KHANNA, Chief Controller of
Imports and Exports

APPENDIX TO THE MINISTRY OF COMMERCE
PUBLIC NOTICE

No. 150 ITC(PN) 88-91, dated 28-7-1989

LICENSING CONDITIONS IN SUBJECT OF
IMPORT OF EQUIPMENT AND SERVICES
UNDER THE YEN CREDIT LOAN NO. ID-P.53
FOR YEN 11,414 BILLION FOR IMPLEMENTA-
TION OF THE GHATGHAR PUMPED STORAGE
PROJECT OF MAHARASHTRA GOVT. (IRRI-
GATION DEPARTMENT) EXTENDED BY
THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION
FUND (OECAF) OF JAPAN

Section I—General Conditions

I (i) The Yen Credit of 11,414 billion extended by the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECAF) for financing the import requirements of the Ghatghar Pumped Storage Project of Maharashtra Govt. (Irrigation Deptt.) is untied in favour of Japan and developing countries including India. Accordingly the goods and services to be procured under the credit can be procured from Japan and all countries (including India) enumerated in the list at Annexure I which will be eligible source countries under the credit.

I (ii) Import Licence(s) under the Credit can be issued only for such items and for such value as have been specifically cleared by the DGT/CG committee. The value of import licence(s) issued under this credit should not exceed Yen 12,555 billion (CIF).

The rupee value of the import licence shall be determined with reference to the Exchange rate notified by the Department of Revenue (Customs) and prevailing on the date of issue of the import licence

and indicated in the body of the import licence(s) as per para 2 of the Public Notice No. 78-ITC (PN) 74 dated the 6th June, 1974, issued by CCI&E, which also enjoins that the Customs Authorities and the authorised dealers in foreign exchange will make debits to the value of the licence(s) at the exchange rate specified on the import licence(s). The licence will bear the superscription "Japanese Yen Credit No. ID-P.53". The first and second suffix to the licence code will be "SJC". This will also be repeated in the letter from CCI&E forwarding the import licence to West Bengal State Electricity Board which should be endorsed to the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, (Japan Section).

I (iii) Import licence(s) can be issued only in favour of Irrigation Department of Maharashtra on CIF basis.

I (iv) Depending on the convenience of importer more than one import licence may be issued under this credit, but the total value must not exceed Yen 12,555 billion (CIF) as specified at (ii) above.

I (v) The extension of the validity of the import licence may on application by importer, be granted upto a further period of 12 months. Any request for further extension/issue of a fresh licence may be referred to the Deptt. of Economic Affairs (Japan Section).

I (vi) Imports to be financed under the Credit are restricted to the list of goods and services attached to the import licence, duly attested by the licensing authorities.

I (vii) No remittance of foreign exchange will be permitted against the import licence. Any payment towards Indian Agent's commission should be made in Indian Rupees to the agents in India. Such payments, however, will form part of licence value and will, therefore, be charged to the licence.

I (viii) Firm order must be placed on FOB/C&F basis on the Overseas supplier located in the countries mentioned in Annexure-I and sent to the Department of Economic Affairs (Japan Section) within 4 months from the date of issue of the import licence. Insurance charges will be payable in India in Indian Rupees. "Firm Orders" means purchase orders placed by the Indian Licenses on the Overseas supplier duly signed by the latter or purchase contract duly signed by both the Indian Importer and the overseas supplier. Orders on Indian Agents of overseas suppliers and/or order confirmation of such Indian Agent are not acceptable.

I (ix) This condition of the placement of contracts within 4 months period will be treated as not having been complied with unless complete contract documents reach the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Japan Section) within four months from the date of issue of the import licence. If firm orders as explained in para I(viii) above cannot be placed within four months for valid reasons, the licensee should submit the import licence to the concerned licensing authorities giving reasons why ordering could not be completed within four months. Such requests for extension in the ordering period

will be considered on merit by the licensing authorities who may grant extension upto a further maximum period of 4 months. If, however, extension is sought beyond 8 months from the date of issue of the import licence such proposals will invariably be referred by the Licensing authorities to the Department of Economic Affairs, (Japan Section), Ministry of Finance, North Block, New Delhi, who will consider such extension on the merits of each case and communicate their decision to the licensing authorities for communication to the licensee. Only on production by the licensee of a letter from the licensing authorities sanctioning such extension will the authorised dealers and departmental authorities permit the facility of letter of authority for the establishment of letter of credit, acceptance of deposits of the rupee equivalent, etc. in respect of supply contracts entered into under the import licence.

I (x) All payments must be completed within 4 months from the expiry of the import licence. Individual payments must be arranged upon shipment of goods. The contract should provide for payment on cash basis i.e. on presentation of shipping documents. No credit facility of any kind will be permitted to be availed of by the Indian importer from the overseas supplier.

The contract should provide for the period of delivery of goods as follows :

".....Months after the receipt of Letter of Credit but to be completed latest by the end of.....".

In fixing the terminal date for shipment it should be noted that this date should not be beyond 31-12-1992.

Section II—Special points to be kept in view while negotiating a supply contract.

II (i) The FOB/C&F value of the contract should be expressed in Yen (Fraction of Yen should be omitted) and should exclude Indian Agent's commission, if any, which should be paid in Indian rupees.

In no circumstances the contract value should be expressed in Indian rupees or in any other currency. The purchase order and the supplier's order confirmation should be in English only.

II (ii) Procurement of all goods and services to be financed out of the proceeds of the loan shall be made in accordance with the guidelines for procurement under the loan with the following supplemental stipulations :—

(a) In case of procurement of goods and services of value estimated to be not less than 500 million Yen.

(i) Prior approval of OECF shall be obtained if it is proposed to adopt procurement procedure other than the Open International Tendering with Prequalification, submitting to OECF an application for approval of procurement method.

(ii) Prior to issuing a notice of award to successful bidder, the application for approval of award with bid evaluation report shall be submitted to OECF for review and concurrence. Alongwith the above application for approval of award and bid evaluation the tender documents etc. will also be submitted to OECF for its reference.

(b) In case of procurement of goods and services of value estimated to be less than Yen 500 million prior approval of OECF is not required for award of contract. However, if OECF requests, the tender evaluation reports etc. will be submitted to OECF for its review.

(c) Consultants shall be employed in accordance with OECF Guidelines for Employment of Consultants. But prior approval of OECF shall be obtained to the following documents :—

- (1) Terms of Reference.
- (2) Short List of Consultants.
- (3) Letter of Invitation.
- (4) Evaluation Report including Summary Evaluation Sheet.

(d) The application/documents mentioned in (a) (i), (a) (ii), (b) and (c) above will be submitted by the importer to Deptt. of E.A., in duplicate, for submission to OECF.

II(iii) The payment to the overseas supplier should be arranged through an irrevocable letter of credit to be opened by the Bank of India, Tokyo in their favour under the OECF Yen Credit (Project Aid) No. 1D-P.53 for 1988-89 the details of which are given in Section VII below.

II (iv) Only one contract should be entered into against the import licence. In exceptional cases, more than one contract may be permitted to be entered into, for which prior approval of the Department of Economic Affairs (Japan Section), Ministry of Finance, should be obtained soon after the date of issue of the import licence.

II (v) Eligibility of Supplier.

The supplier shall be nationals of the eligible source countries, or juridical persons incorporated and registered in eligible source countries and which have their appropriate facilities for producing or providing the goods and services in the eligible source countries and actually conduct their business there.

II (vi) Permissible imports from non-eligible source countries.

Financing of goods which contain material originating from a non-eligible source country or countries may be made, provided that the imported portion is less than fifty per cent (50 per cent) of the price

per unit of such products in accordance with the following formulae :

$$\frac{\text{IMPORTED CIF PRICE} + \text{IMPORT DUTY} \times 100}{\text{Supplier's FOB Price}}$$

(In case of Indian Supplier, Ex-factory price shall be adopted)

II (vii) Declaration in Contract

The following declaration as to the eligibility of the goods and supplier, signed and dated by the supplier, shall be added to each contract.

"I the undersigned, hereby certify that the goods to be supplied are produced in _____ (name of eligible source country).

I the undersigned, further certify that to the best of my information and belief, the portion imported from the non-eligible source countries is less than fifty per cent (50 per cent) in accordance with the following formula :

$$\frac{\text{IMPORTED CIF Price} + \text{Import Duty} \times 100}{\text{Supplier's FOB Price}}$$

(Where applicable Ex-factory Price)

"I, the undersigned, hereby certify that _____ (Name of company) has been incorporated and registered in _____ (Name of eligible source country) has the appropriate facilities for producing or providing the goods and services in (name of eligible source country) and actually conducts its business there.

Section III—Conditions to be incorporated in the supply contracts

III (i) The following provisions should be specifically embodied in the supply contract :

- (a) The contract is arranged in accordance with the Loan Agreement between the Government of India and the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF) dated 15th December, 1988, concerning the Yen Credit No. ID-P.53 (Project Aid) for Ghatghar Pumped Storage Project.
- (b) Payments to the Supplier shall be made through an irrevocable letter of Credit to be issued by the Bank of India, Tokyo, under the Loan Agreement No. ID-P.53 dated the 15th Dec., 88 between the Government of India and the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF).
- (c) The suppliers agree to furnish such information and documents as may be required under the Yen Credit arrangements by the Government of India on the one hand and the OECF on the other.
- (d) Certificates (triplicate) in the forms indicated in II (vii) above.

(c) In case the supplier is located in Japan, the supply contract should contain a clause that the Japanese Supplier agrees to make shipping arrangements in consultation with the Embassy of India, Tokyo and that for this purpose he would keep the Embassy of India, Tokyo, informed of the delivery schedule of the goods involved and notify the Embassy of India atleast six weeks in advance of the shipping required so that suitable arrangements could be made. In exceptional cases, where the Indian Importers require it, this period of notice may be reduced. The Japanese supplier should also agree to send a cable advice to the importer after each shipment giving the necessary details and a copy thereof should be sent to the Embassy of India, Tokyo.

Section IV :—Review of Contract by OECF IV (i) Within stipulated period for placement of firm orders the licensee should forward 4 copies of the contract duly signed by both the importer and the supplier supported by order confirmation in writing by the supplier or their photocopies complete in all respects, together with two photocopies of the relevant and valid import licence and two copies of the "Request for issue of L.A." in the form in Annexure II to the Department of Economic Affairs.

IV (ii) The above procedure will also apply to all contract amendments causing essential modifications to the contents of the contracts or in its price.

IV (iii) The Ministry of Finance (Dept. of E.A.) will send Notice of conclusion of contract alongwith a copy of the contract to OECF for its review. A copy each of the Notice will also be sent by Department of E.A. to Embassy of India Tokyo and Office of CAA&A alongwith one copy each of "Request for issue of L.A." and photocopy of import licence.

Section V—Payment to the Overseas suppliers—Letter of Credit Procedure

V (i) On receipt of the Notice of Conclusion of contract and contract document from the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, the CAA&A, will issue a letter of authorisation as in the form attached as Annexure-III addressed to Bank of India, Tokyo for opening an irrevocable Letter of Credit as in the form attached at Annexure-IV (for imports) or Annexure-V (for services) in favour of the overseas supplier concerned. Copies of the Letter of Authorisation will be endorsed to the OECF, the Embassy of India, Tokyo, the importer's Bank in India, and Japan Section, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance.

V (ii) One receipt of the letter of authority, the Bank of India, Tokyo, will establish an irrevocable letter of credit as per Annexure-IV (applicable to imports) or V (applicable to services) in favour of the Overseas Suppliers concerned and will also forward a copy of the same to the OECF, Embassy of India, Tokyo, the importer's bank of India and the CAA&A.

The above procedure of opening of letters of credit on the basis of the letters of authority from CAA&A would ipso facto apply to all such amendments to letter of authorisation|letter of credit as may become necessary due to contract amendment of otherwise.

V (iii) The overseas supplier shall, after effecting shipment of goods, present through his bankers the documents specified in the letter of credit to the Bank of India, Tokyo who will release the amount specified in the documents to the overseas supplier through his bankers and will thereafter obtain reimbursement of the said amount from the OECF.

V (iv) Banking charges payable to the Bank of India, Tokoyo for opening the letter of credit, for negotiations there under and charges if any of overseas suppliers' bankers are to be borne by the importers|overseas suppliers. A letter of commitment will be issued by the OECF on receipt of an amount equal to one-tenth per cent (0.1 per cent) of the contract value. This amount will be paid to itself from the loans|funds by OECF.

The importer is required to deposit in'to the Govt. of India account the rupee equivalent of this letter of commitment charges on receipt of intimation of the payment from OECF or from the Controller of Aid Accounts, Ministry of Finance.

A similar charge of 0.1 per cent is payable by the importer under the reimbursement procedure also. Interest charges payable to the Bank of India, Tokyo for the period counting from the date of payment of the cost of imports, by them to the overseas suppliers to the date of reimbursement by the OECF and other banking charges of the Bank of India, Tokyo for opening, operation and maintenance of the letter of credit shall in the first instance be paid by the Embassy of India, Tokyo and then debited to the Department concerned.

V (v) Reimbursement Procedure

Procedure for disbursement of the proceeds of the loan for the purchase of goods and services from Indian Suppliers shall be in accordance with REIMBURSEMENT PROCEDURE attached to the loan agreement.

Section VI— Responsibility for rupee deposit

VI (i) The Bank of India, Tokyo will forward the negotiable shipping documents to the accredited bankers of importer as indicated in the Appendix to the relevant Letter of Authority and the bankers will in turn ensure that the rupee deposits are invariably made at RBI, New Delhi or S.E.I., Tis Hazari, New Delhi before releasing the shipping documents. Interest charges on the rupee equivalent of the Yen payments, calculated at the rate prevailing from time to time, the present rate being 12 per cent per annum for the first 30 days and @ 18 per cent per annum for the period in excess thereof reckoned from the date of payment by the Bank of India, Tokyo to the Overseas Supplier to the date of actual rupee deposit, have also to be deposited alongwith the principal payment, in terms of Public Notice No. 31-ITC

(PN)|88 dated 10-8-83. It should be noted that interest is chargeable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Overseas Supplier and also the day on which rupee deposit is made in Government Account vide Public Notice No. 74|ITC (PN)|74 dated 31-5-74 as modified under Public Notice No. 103-ITC(PN)|76 dated 12-10-76 and Public Notice No. 31--ITC(PN)|83 dated 10-8-83.

The importer should made separate arrangements to ascertain the amounts and dates of payments made to the supplier. Late or delayed receipt of shipping etc. documents by the importers Banker from Bank of India, Tokyo will not be acceptable as reason for waiver of partial or full amount of the interest due on the rupee deposits.

The exchange rate to be adopted for computing the rupees equivalent of the Yen payments made to the overseas suppliers will be the composite rate of exchange applicable to the date of payment which will be worked out in accordance with the method prescribed in Public Notice No. 109-ITC|- (PN)|74 dated 3-8-1974 and 8-ITC(PN)|76 dated 17-1-1976 or as may be notified by the Government from time to time through Public Notices of the CCI&E or through Exchange Control Circulars of the Reserve Bank of India.

Any charge in this regard will be notified as and when necessary. It will be the responsibility of the Indian Bank concerned to ensure that the amount due are correctly deposited into Government account before the import documents are handed over to the importers. The importers should also ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their Bankers. It is the responsibility of the importer to ensure that the amount due are correctly deposited into the Government accounts promptly even when they obtain delivery of the goods from the customs authorities without original shipping documents under exceptional circumstances. In case the importers fail to deposit the amounts due to Government before taking delivery of the goods, the issue of further LAS to him may be stopped and the matter reported to the CCI&E so that no further import licence is issued to such an importer. The Head of Account to which the above rupee deposits should be credited is "K-Deposits and Advances 8443 Civil Deposits-Deposits for purchase etc. abroad-Purchase under credits Loan Agreements" Loans from the Government of Japan 11.414 Billion Yen credit No. ID-P. for the Ghatghar Pumped storage Project.

VI (ii) The amount referred to above should be deposited in cash to the credit of the Government either in the Reserve Bank of India, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the challan or State Bank of India, Tis Hazari, Delhi as contemplated in Public Notices issued from time to time in this regard.

VI (iii) The concerned Bank in India shall also furnish such additional deposit in the same manner stipulated above as may be requested by the Government of India, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, on account of service charges

within seven days after such a demand is made by Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) while filling in the various columns in the challan it should be ensured by the importers/their bankers that the information prescribed in para 2 of Public Notice No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971 is invariably indicated in the column "full particulars of remittances and authority (if any)" of the challan. The following particulars should invariably be furnished in the treasury challans :—

- (a) Ministry of Finance letter of authority No. and date.
- (b) Amount of Yen currency in respect of which deposits are to be made together with rate of conversion adopted.
- (c) Date of payment to the overseas supplier.

Thereafter the Treasury Challans evidencing the rupee deposit should be sent by registered post to the CAA&A indicating reference to the letter of authorisation issued by him and also enclosing copies of the invoice and shipping documents.

Note :—Importer's Bank in India should ensure that the rupee deposits are invariably made within 10 days of the receipt of the advice of payments and negotiable shipping documents from the Bank of India, Tokyo and that the CAA&A Ministry of Finance (DEA), New Delhi is kept informed of the fact immediately thereafter.

VI (iv) The concerned bank in India should also endorse the amount of rupee deposits on the exchange control copy of the licence and send the requisite "S" Form to the Reserve Bank of India, Bombay.

Section VIII—Miscellaneous Provisions

VIII (i) Reports on utilisation of the import licence.

The importer should send a monthly report, after the letter of credit has been opened regarding shipments and payments made there against and about the balance left, to the Controller of Aid Accounts Audit, UCO bank building, Parliament Street, New Delhi.

VIII (ii) Notifying Suppliers of Special Conditions

The licences should apprise the supplier of any special provisions in the import licence which may affect the suppliers in carrying out the transaction.

VIII (iii) Disputes

It should be understood that the Government of India will not undertake any responsibility for disputes, if any, that may arise between the licensee and the suppliers. The conditions to be fulfilled by the supplier before payment by the Bank of India, Tokyo must be clearly spelt out by the importer in Annexure-II under "Terms of Payment". Provisions dealing with settlement of disputes should be included in the conditions of contract.

VIII (iv) Future Instructions

The licensee shall promptly comply with any directions, instructions or orders issued by the Government of India from time to time regarding any and

all matters arising from or pertaining to the import licence and for meeting all obligations under the Yen Credit Agreement (Project Aid) No. ID-P. 53 with the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF).

VIII (v) Breach or violation

Any breach or violation of the conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control) Act.

VIII (vi) List of Annexures.

Annexure—I List of eligible source countries.

Annexure—II Request for issue of Letter of Authority.

Annexure—III Form of Letter of Authority.

Annexure—IV Form of Letter of Credit (Applicable to imports).

Annexure—V Form of Letter of Credit (Applicable to Services).

ANNEXURE—I

LIST OF ELIGIBLE SOURCE COUNTRIES

A. Developing Countries and Territories

(a) Non-OPEC Developing Countries

I. AFRICA, North of Sahara

Egypt

Morocco

Tunisia

II. AFRICA, South of Sahara

Angola

Benin

Botswana

Burundi

Cameroon

Cape Verde Islands

Central African Rep.

Chad

Comore Islands

Congo, Peoples Republic of

Dahomay

Equatorial Guinea (1)

Ethiopia

Gambia

Ghana

Guinea

Ivory Coast

Kenya

Lesotho

Liberia

Malagasy Republic

Malawi

Mali

(1) Formerly the territory of Spanish Guinea, including the island of Fernando PO.

Mauritania, Mauritius
 Mozambique
 Niger
 Portuguese Guinea
 Reunion
 Rhodesia
 Rwanda
 St. Helena and de O(2)
 Sao Tome and Principe
 Senegal
 Seychelles
 Sierra Leone
 Somalia
 Sudan
 Swaziland
 Terro, Afar san
 Issas
 Togo
 Uganda
 Un. Rep. of anzania
 Upper Volta
 Zaire Republic
 Zambia

III AMERICA, North and

Cont.
 Bahamas
 Barbades
 Belize
 Bermuda
 Costa Rica
 Quba
 Dominican Republic
 EL Salvador
 Guadeloupe
 Guatemala
 Haiti
 Honduras
 Jamaica
 Martinique
 Mexico
 Netherlands An Tilles
 Nicaragua
 Panama
 St. Pierre & Miquelon
 Trinidad and obago

(2) Including the following islands : Ascension,
 Tristan da Inacessibles, Nightingale,
 Gough.

(3) Main islands, Aruba, Bonaire, Curacaoe,
 Saha, ST.

III. AMERICA, North & Central

West Indies (Br.) n.i.c.
 (a) Associated States (1)
 (b) Dependencies (2)

IV. AMERICA, South

Argentina
 Bolivia
 Brazil
 Chile
 Colombia
 Falkland Islands
 French Guianna
 Guyana
 Paraguay
 Peru
 Surinam

V. ASIA, Middle East

Baharam
 Israel
 Jordan
 Lebanon
 Oman
 Syrian Arab Republic
 United Arab Emirates (3)
 Yemen Arab Republic
 Yemen, People's P.R. (4)

VI. ASIA, South

Afghanistan
 Bangladesh
 Bhutan
 Burma
 India
 Maldives
 Nepal
 Pakistan
 Sri Lanka

VII. ASIA, Far East

Brunei
 Hong Kong
 Khmer Republic
 Korea, Republic of
 Laos
 Macao
 Malaysia
 Philippines

1. Main Islands : Antigue, Dominica, Grenada, St. Kitts (St. Caristophe), Nevis-Anguilla, St. Lucia and St. Vincent.
2. Main Islands : Montserrat, Cayman, Turks and Caicos, and British Virgin Islands.
3. Aiman, Dubai, Fugairah, Ras al Khaimh, Shrijah and Uma al Quaiwain.
4. Including Aden and various sultantes and emirates.

Singapore
Taiwan
Thailand
Timor
Viet-Nam, Rep. of
Viet-Nam, Dem. Rep.

VIII. OCEANIA

Cook Islands
Fiji
Gilbert & Ellice Is.
French Polynesia (5)
Nauru
New Calendenia
New Hebrides (Br. and Fr.)
Niue
Pacific Islands (US) (6)
Papua New Guinea
Solomon Islands (Br.)
Tonga
Wallis and Futuna
Western Samoa

IX. EUROPE

Cyprus
Gibraltar
Greece
Malta
Spain
Turkey
Yugoslavia

5. Comprising the Society Islands (including Tahiti) The Austral Islands, the Tuamoto-Gambier Group and the Marquesas Islands.

6. Trust Territory of the Pacific Islands: Caroline Islands Marshall Islands, and Micronesia Islands (except Guam).

(a2) Member of Association Countries of OPEC

Algeria
Bolivia
Libyan Arab Republic
Gabon
Nigeria
Ecuador
Venezuela
Iran
Iraq
Kuwait
Qatar
Saudi Arabia
Abu Dhabi
Indonesia.

ANNEXURE-II**REQUEST FOR ISSUE OF THE LETTER OF AUTHORITY****NO.****Date :**

The Controller of Aid Accounts & Audit,
Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, UCO Bank Building, 1st Floor, Parliament Street, New Delhi-110001.

Sub : Import of _____ from _____ under the Yen Credit No. ID-P. _____(Project Aid for 1988).

Sir,

In connection with the import _____ from _____ under the above mentioned Yen Credit No. ID-P. _____(Project Aid) we furnish the following particulars to enable you to issue the Letter of Authority to the _____(name of the bank) which should be the same as given in (P) below for opening a letter of credit in favour of the overseas supplier concerned.

- (a) Name and Address of the Indian importer.
- (b) Number, date and value of the import licence and date upto which it is valid.
- (c) Method of procurement-whether it is based on direct purchase or formal Open International tendering in which case it should be indicated whether the contract has been awarded on the basis of technically suitable offer with reasons, if any.
- (d) Brief description of the goods.
- (e) Origin of the goods.
- (f) Percentage of the import components from non-eligible source countries, if any.
- (g) Gross FOB/C&F value of contract (in Yen).
- (h) Amount of Indian agents commission (in Yen), if any.
- (i) Net FOB/C&F value (in Yen) for which the Letter of Authority is required.
- (j) Number and date of the contract with overseas suppliers.
- (k) Name and address of the Overseas Suppliers:
- (l) Payment terms and probable dates on which payments under the contract will fall due.
- (m) Expected date of completion of deliveries.
- (n) Documents to be presented at the time of payment to Bank of India, Tokyo (indicating No. of sets of each and their disposal).
- (o) Shipment instructions (indicate if trans-shipment/part-shipment permitted or not permitted).
- (p) Name and address of the importer's bank in India.

(q) Whether a contract(s) under the same licence has been placed and notified to the Japanese authorities, and if so, the No., date and value of each such contract and the reference of the Ministry of Finance under which it has been notified to the OECF.

(r) Whether the banking charges payable to Bank of India, Tokyo for operation and maintenance of Letter of Credit are to be borne by the Importers or supplier.

(s) Undertaking by the importer :—

"We hereby undertake to make full and correct deposit of the rupee equivalent etc. of the payment made to the foreign supplier in the manner and at the rate prescribed by Government. The deposits will be made promptly before taking delivery of each consignment of the goods (material imported). In case of payments for services of foreign nationals, the deposits will be made as soon as the relevant invoices of the foreign suppliers are approved by us and the Payments made to the suppliers".

ANNEXURE- III

(Letter of Authority Form)

No. F.

Government of India

Ministry of Finance

Department of Economic Affairs

New Delhi, the

To

The Bank of India,
Tokyo Branch
Tokyo (Japan)

Subject : Import under Yen Credit (Project Aid)
Loan Agreement No. ID-P.——— Issue
of Letter of Authority for opening Letter of Credit.

Dear Sirs,

In accordance with the terms and conditions of the agreement dated 25-3-1980 entered into with your Bank, you are hereby authorized to open irrevocable Letter of Credit for an amount not exceeding Yen——— favouring M/s.——— as per attached details.

2. A copy each of the Letter of credit opened by your Bank may be endorsed to the importer's Bank, to the OECF Embassy of India, Tokyo and to us.

3. Payments to the suppliers in terms of the letter of credit will be made initially out of your own funds. After payments, you must claim immediate reimbursements of the amounts paid by furnishing necessary documents to the OECF.

4. On making payment to the foreign supplier you should send to———(Name and address of the importers' Bankers) the original shipping documents (negotiable) as well as additional complete set of the documents and a copy of the debit advice for the payments made to the supplier including the down payment if any.

5. Interest charges payable to you, for the time lag between the date of payment by you to the supplier and the date of its reimbursement to you by the OECF and other banking charges including those on account of opening, maintenance and for operating of the letter of credit as also those connected with handling negotiating documents etc. will be paid to you by the Embassy of India, Tokyo and debited to the Department concerned.

6. As and when payment is made by you and reimbursement is made to you, an advice in the prescribed form should be sent to this Ministry.

7. This Letter of Authority is intended for opening of L/C favouring the overseas suppliers. Subsequent amendments to L/C or further fresh L/Cs against this authorisation may not be acted upon in the absence of a specific authority from this Ministry.

8. This Letter of Authority will remain valid up to———

9. Please quote the number given at the top of this letter of instructions in all correspondence relating to the contract and also in the advice showing payment.

Yours faithfully,
(Accounts Officer)

Copy forwarded to :

1. Importer——— with reference to their letter No.——— dated———

They are requested to arrange to deposit through their Bankers, the rupee deposits etc. at the prescribed rate and manner, before taking delivery of the negotiable documents from the Bankers. In case due to exceptional circumstances delivery of goods is obtained directly from the Customs and Port authorities without furnishing the original shipping documents, the deposits should be made before taking the delivery. In the case of payments for services rendered by foreign nationals, the deposits should be made as soon as the relevant invoices are approved for payment. Failure to make the deposits promptly and correctly may entail action as mentioned in the Licensing Conditions.

2(i) Importers' Baker..... This has reference to import Licence No. dt. This letter of authorisation issued under the relevant licensing conditions governing the imports under Yen credit. The licensing conditions and connected Public Notice or etc. may be referred to and appropriate action taken concerning the import/foreign payments.

2(ii) They are requested to arrange to deposit the rupee equivalent of the Yen payment to the overseas suppliers on receipt of documents from the Bank of India, Tokyo Branch. The rupee equivalent of

amount dispensed to the suppliers will have to be calculated by applying the composite rate of conversion as prevailing on the date of payment to overseas suppliers in accordance with the Public Notice No. 8-ITC(PN)76 dated 17-1-1976 or such other Public Notices as may be issued from time to time. Interest @ 12 per cent per annum for the first thirty days and at the rate of 18 per cent per annum for period in excess thereof reckoned for the period between the date of payment to the supplier/date of reimbursements to Bank of India and the date on which the rupee equivalents are deposited into the Government Account is also required to be deposited into the government of India Account in terms of Public Notice No. 31-ITC(PN)83 dated 10-8-83. The interest is payable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Overseas Suppliers and also the date on which rupee deposits is made into Government Account. (Any change in this rate will be intimated if and when made). It should be ensured that those deposits are made before the original set of import documents are handed over to the importer for Customs clearance.

These amounts should be deposited either with the RBI, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the challan or the SBI, Tis Hazari, Delhi. In this connection, their attention is also invited to the provisions of the Public Notices No. 184-ITC(PN)68 dated 30-8-1968, 233-ITC(PN)68 dated 24-10-1968, 132-ITC(PN)71 dated 5-10-1971, No. 74-ITC(PN)74 dated 31-5-1974 and No. 103-ITC(PN)76 dated 12-10-1976. The head of account to be credited is "K-Deposits & Advances-843-Civil Deposits-Deposit for purchases etc. abroad under Purchases under Credit/Loan Agreements"—Loans from the Government of Japan—billion Yen Credit (Project Aid) No. ID-P—for 198-8.

One copy of the challan in original, in cases where the rupee equivalents are credited in cash at the RBI, New Delhi, or the SBI, Tis Hazari, Delhi as prescribed in Public Notice No. 132-ITC(PN)71 dated 5-10-1971, should be sent by them to the address given below alongwith a forwarding letter giving full details of the advice notes receiving from the Bank of India, Tokyo Branch.

The Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance (Department of Economic Affairs), 1st Floor UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-1.

In cases where the rupee equivalents are remitted by means of demand drafts as laid down in the Public Notice dated 24-10-1968 mentioned above, intimations thereof should be sent to the address given above. In all cases full particulars of the rupee equivalents deposited should be furnished to this Department.

Interest charges payable to the Bank of India, Tokyo for the time lag between the date of payment to the supplier and the date of its reimbursement to the Bank of India, Tokyo by the OECF and other banking charges of the Bank of India, Tokyo will be in the first instance paid by the Embassy of India, Tokyo and then debited to the Department concerned.

3. The Director, Loan Department-II, Overseas Economic Cooperation Fund, Takebashi Gode Building, 4-1, Obtemachi 1-Chome, Chiyoda-Ku, Tokyo, Japan.

4. Embassy of India, Tokyo.

5. The Under Secretary, Japan Section, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi.

Accounts Officer.

ANNEXURE—IV

From OCEP-LC I

Irrevocable Letter of Credit
(Applicable for goods)

To _____

Dated :

This letter of Credit has been issued pursuant to Loan

Agreement No. _____

Dated _____

between (Borrower) and THE
OVERSEAS ECONOMIC
COOPERATION FUND

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our irrevocable credit No. _____ in your favour for account _____ for a cum of sums not exceeding an aggregate amount of _____ (Say Yen _____) available by your drafts at sight for full invoice value drawn on us, to be accompanied by the following documents :

Signed commercial invoice in full set of clean on board ocean bills of lading made out to order and blank endorsed and marked "Freight and Notify" Other documents

evidencing shipment of (brief description of goods to be shipped referring to Contract No. _____ (if any) from _____ to _____ partial shipments are _____ permitted. Trans-shipments is _____ permitted.

Bills of lading must be dated not later than _____ Drafts must be presented for negotiation not later than _____ All Drafts and documents under this credit must be marked _____ irrevocable credit No. _____

"Drawn under _____ dated _____ ()

and Import Deference No. (s) _____ (if any)

This credit is not transferable.

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the

credit shall be duly honoured on due presentations and delivery of documents to the drawee.

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practice for Documentary Credits (1974 Revision), International Chamber of Commerce Brochure No. 290".

Special Instructions to the negotiating bank.

1. after obtaining the reimbursement for our payments from THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the provisions of the Letter of Commitment issued thereby under the above-mentioned Loan Agreement, we undertake to remit the amount of the drafts in accordance with instructions issued by the negotiating bank.
2. The negotiating bank must forward the drafts and one complete set of documents to us together with the certificate stating that the remaining documents have been airmailed direct to _____
3. All banking charges under this credit are for the account of importer/supplier.

Yours faithfully,

(a commercial bank)

By :

Authorized Signature

ANNEXURE—V

Form OECF—LC II

Irrevocable Letter of Credit (Applicable for Services)

To _____

(Name and address of the Supplier)

Date :

This Letter of Credit has been issued pursuant to Loan Agreement No. _____ dated _____

between (Borrower) and THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND.

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our irrevocable Credit No. _____ in your favour for account of for a sum or sums not exceeding an aggregate amount of (Say Yen _____) available by beneficiary's drafts at sight for full Statement value drawn on us.

To be accompanied by the required documents in accordance with the Payment Schedule attached hereto, concerning (Contract No. _____ with regard to _____ Project). Drafts must be presented for negotiation not later than _____

All drafts and documents must be marked "Drawn under irrevocable credit No."

This credit is not transferable

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be duly honoured on due presentation and delivery of document to the drawee.

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practice for Documentary Credits (1974 Revision), International Chamber of Commerce Brochure No. 290".

Special instructions to the negotiating bank :

1. After receipt of the original Statement of Performance issued by (Borrower or its designated authority) in accordance with the form attached hereto payment (CS) under this credit must be made in accordance with the payment Schedule stipulated in the sheet attached hereto. In case of the initial payments the beneficiary's Statement is required instead of the above mentioned Statement of Performance.
2. After obtaining the reimbursement for our payment from the OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the provisions of the Letter of Commitment issued thereby under the above-mentioned Loan Agreement, we undertake to remit the amount of the drafts in accordance with the instructions issued by the negotiating bank.
3. A copy of the documents as mentioned in item 1 above and the draft shall be sent to us immediately after the receipt hereof.
4. All banking charges under this credit are for the account of the importer/supplier.

Yours faithfully,

(a commercial bank)

By : (Authorized Signature)

PAYMENT SCHEDULE

This payment schedule constitute an integral part of our Letter of Credit No. _____

I. Initial Payments

Amount Yen : _____
being _____ % of the total contract period

Required documents : beneficiary's Statement
Latest presentation date :

II. Progress Payment

Aggregate amount Yen : _____
being % of the total contract price to be paid as follows :

Amount due Latest presentation

Ist Instalment :

2nd Instalment :

Yen
Yen
Yen

Required document :

A copy of State of performance issued by (Borrower or its designated authority) a form of which is attached hereto.

Statement of Performance

Date .

Ref. No.

To

(Name and address of the Supplier)

Re: Letter of Credit No. _____ dated issued by _____ for Yen _____ in favour of concerning _____ project under Loan Agreement No. _____

I, the undersigned, representing (Borrower), hereby issue a Statement of Performance to entitle to receive the sum of _____ (Yen

only from THE OVERSEAS ECONOMIC CO-OPERATION FUND in accordance with the payment Terms stipulated in the Contract No. _____ dated _____

between _____ and _____

(Borrower)

By : _____

(Authority Signature)

Special Instructions :

The details of the actual performance shall be stated in the sheet attached hereto.

PAYMENT TERMS

This payment terms constitutes an integral part of our letter of Credit No. _____

I. Initial payment

Amount Yen : _____

being _____ % of the total contract price
Required documents :

Latest presentation date :

II. Intermediate payment (if any)

Amount Yen : _____

being _____ % of the total contract price.

Required document :

Latest presentation date :

III. Payment against Shipping Documents

Amount Yen : _____

being _____ % of the total contract price.

Note : This attached sheet is not required in case of full payment against shipping documents.

